RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 117 ● भिलाई, सोमवार 10 नवम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

सोते वक्त बीजेपी नेता को मारी गोली, घर में मचा हड़कंप

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में एक दर्दनाक वारदात ने इलाके में सनसनी फैला दी है। यहां अज्ञात बदमाशों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय नेता की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना उस समय हुई जब नेता अपने घर में सो रहे थे। सुबह परिजनों ने खून से लथपथ शव देखा तो इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान भाजपा नेता मनोज चौधरी (45) के रूप में हुई है, जो थाना नकुड़ क्षेत्र के रहने वाले थे। जानकारी के अनुसार, देर रात कुछ अज्ञात हमलावर दीवार फांदकर उनके घर में घुसे और सोते समय उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोलियों की आवाज सुनकर परिवार के सदस्य जब कमरे की ओर दौड़े, तब तक हमलावर फरार हो चुके थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने मौके से कई खोखे बरामद किए हैं और इलाके की सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। प्राथमिक जांच में पुरानी रंजिश की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस सभी एंगल से मामले की जांच कर रही है।

लंदन में विश्व पर्यटन बाज़ार में राजस्थान ने दिखाई अपनी सांस्कृतिक शान

लंदन। भारतीय उच्चायोग, लंदन में आयोजित विश्व पर्यटन बाज़ार में राजस्थान की संस्कृति, विरासत और हस्तशिल्प की झलक ने सबका मन मोह लिया। इस अवसर पर राजस्थान की उपमुख्यमंत्री (पर्यटन) ने राज्य की समृद्ध परंपराओं, पर्यटन विकास योजनाओं और वैश्विक साझेदारी की नई दिशा को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में गोवा के मंत्री रोहन खौंटे, आंध्र प्रदेश के मंत्री कांदुला दुर्गेश, मध्यप्रदेश के पर्यटन मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोरैस्वामी, भारत सरकार के संयुक्त सचिव हरिकिशोर तथा अनेक वरिष्ठ अधिकारी और पर्यटन उद्योग से जुड़े प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री ने कहा — लंदन और राजस्थान दोनों इतिहास, सौंदर्य और सृजनशीलता के प्रतीक हैं। राजस्थान न केवल शाही भव्यता का प्रतीक है, बल्कि लोक जीवन, कला और परंपरा की आत्मा भी है।

देहरादून में बोले पीएम मोदी,गढ़वाली में की संबोधन की शुरुआत

आत्मनिर्भर भारत का रास्ता वोकल फार लोकल से होगा तय

देहरादून/ एजेंसी

राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देहरादून में आयोजित रजत जयंती समारोह में गढ़वाली में अपना संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा देवभूमि उत्तराखंड का मेरा भै-बन्धों, दीदीङ्गभुल्यों, दाना-सयाणों। आप सबू कैं, म्यर नमस्कार, पैलाग, सेवा सौंली।पीएम ने कहा, उत्तराखंड के राज्यपाल गुरमीत सिंह जी, मुख्यमंत्री भाई पुष्कर सिंह, केंद्र में मेरे सहयोगी अजय टम्टा, विधानसभा अध्यक्ष बहन ऋतु जी, उत्तराखंड सरकार के मंत्रिगण, मंच पर मौजूद पूर्व मुख्यमंत्री और सांसदगण, बड़ी संख्या में आशीर्वाद देने आए हुए पूज्य संतगण, अन्य सभी महानुभाव और उत्तराखंड के मेरे भाइयों और बहनों। साथियों, 9 नवंबर का ये दिन एक लंबी तपस्या का फल है। आज का दिन हम सभी को गर्व का एहसास करा रहा है। उत्तराखंड की देवतुल्य जनता ने वर्षों तक जो सपना देखा था, वो अटल जी की सरकार में 25 साल पहले पूरा हुआ था और अब बीते 25 वर्षों की यात्रा के बाद, आज उत्तराखंड जिस ऊंचाई पर है, उसे देखकर हर उस व्यक्ति का खुश होना स्वाभाविक है, जिसने इस खूबसूरत राज्य के निर्माण के लिए संघर्ष किया था। जिन्हें पहाड़ से प्यार है, जिन्हें उत्तराखंड की संस्कृति, यहां की प्राकृतिक सुंदरता, देवभूमि के लोगों से लगाव है, उनका मन आज प्रफुल्लित है, वो आनंदित हैं। साथियों, मुझे इस बात की भी खुशी है कि डबल इंजन की भाजपा सरकार उत्तराखंड के सामर्थ्य को नई ऊंचाई देने

में जुटी है। मैं आप सभी को उत्तराखंड की रजत जयंती पर बहुत-बहुत बधाई देता हूं। मैं इस अवसर पर उत्तराखंड के उन बलिदानियों को भी श्रद्धांजलि देता हूं, जिन्होंने आंदोलन के दौरान आपना जीवन न्यौछावर कर दिया। मैं उस वक्त के सभी आंदोलनकारियों का भी वंदन करता हूं, अभिनंदन करता हूं। साथियों, आप सब जानते हैं, उत्तराखंड से मेरा लगाव कितना गहरा है। जब मैं जनी पर यहां आता था, तो यहां पहाड़ों पर रहने वाले मेरे भाई बहनों का संघर्ष, उनका परिश्रम, कठिनाइयों को पार करने की उनकी ललक, मुझे हमेशा प्रेरित करती थी। साथियों, यहां बिताए हुए दिनों ने, मुझे उत्तराखंड के असीम सामर्थ्य का साक्षात परिचय करवाया है। इसलिए ही जब बाबा केदार के दर्शन के बाद, मैंने कहा कि ये दशक उत्तराखंड का है, तो ये सिर्फ मेरे मुंह से निकला हुआ एक वाक्य नहीं था, मैंने जब ये कहा, तो मुझे पूरा-पूरा भरोसा आप लोगों पर था। आज जब उत्तराखंड अपने 25 वर्ष पूरे कर रहा है, तो मेरा ये विश्वास और दृढ़ हो गया है कि ये उत्तराखंड के उत्कर्ष का कालखंड है। साथियों, 25 साल पहले जब उत्तराखंड नया-नया बना था, तब चुनौतियां कम नहीं थीं। संसाधन सीमित थे, राज्य का बजट छोटा था, आय के स्रोत बहुत कम थे, और ज्यादातर ज़रूरतें केंद्र की सहायता से पूरी होती थीं। आज तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है।

4 हजार करोड़ से 1 लाख करोड़ हो गया उत्तराखंड का बजट

पीएम मोदी ने कहा, ''25 साल पहले उत्तराखंड का बजट 4 हजार करोड़ रुपये का था, आज यह बढ़कर 1 लाख करोड़ रुपये को पार कर चुका है. पिछले 25 वर्षों में उत्तराखंड में बिजली उत्पादन चार गुना बढ़ चुका है. पिछले 25 वर्षों में उत्तराखंड में सड़कों की लंबाई दोगुनी हो चुकी है. पहले यहां 6 महीने में लगभग 4,000 यात्री हवाई जहाज से आते थे, आज एक दिन में 4,000+ यात्री हवाई जहाज से आते हैं. इन 25 वर्षों में इंजीनियरिंग कॉलेजों की संख्या 10 गुना से ज्यादा बढ़ी है. पहले यहां सिर्फएक मेडिकल कॉलेज था, आज 10 मेडिकल कॉलेज हैं.उन्होंने कहा, ''9 नवंबर का ये दिन, एक लंबी तपस्या का फल है. आज का दिन हम सभी को गर्व का एहसास करा रहा है. उत्तराखंड की देवतुल्य जनता ने वर्षों तक जो सपना देखा था।

भारत-अंगोला मिलकर बनाएंगे मजबूत भविष्य

अब यहां भी चल सकती हैं वंदे भारत जैसी ट्रेन-राष्ट्रपति मुर्मू.....

लुआंडा/ एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत और अंगोला के बीच गहरे और मजबूत संबंध हैं, और दोनों देश अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक-दूसरे का निरंतर समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत अंगोला के अफ्रीका में शांति, सुरक्षा और स्थिरता कायम रखने के प्रयासों की सराहना करता है। राष्ट्रपति ने कहा, 'भारत हमेशा संवाद और शांतिपूर्ण समाधान के पक्ष में रहा है। भारत और अंगोला संयुक्त राष्ट्र सहित कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक-दूसरे का समर्थन करते हैं। हम दोनों इस बात से सहमत हैं कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा

परिषद में सुधार आवश्यक है ताकि यह संस्था और अधिक प्रभावी बन सके। हमें इस दिशा में अंगोला के निरंतर समर्थन की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा कि भारत की 'मेड इन इंडिया' वंदे भारत सेमी हाई-स्पीड ट्रेनें देश के रेल क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रही हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि 'हम ऐसी आधुनिक ट्रेनें अंगोला को भी उपलब्ध करा सकते हैं।' वहीं युवा आबादी पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भारत और अंगोला दोनों देशों में युवाओं की संख्या अधिक है, इसलिए यह जरूरी है कि वे भविष्य के लिए जरूरी कौशल हासिल करें। उन्होंने शिक्षा, तकनीक और कौशल विकास के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने पर बल दिया। इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को रविवार को अंगोला की राजधानी लुआंडा में औपचारिक स्वागत समारोह में सम्मानित किया गया। इस मौके पर अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ लौरेंको भी मौजूद थे।

सड़क दुर्घटना मुआवजा दावा देर से दाखिल करने पर अब नहीं होगा खारिज

नई दिल्ली। सड़क दुर्घटना पीड़ितों और उनके परिवारों के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ी राहत दी है। अदालत ने कहा है कि अब सड़क दुर्घटना मुआवजा दावा देर से दाखिल करने पर खारिज नहीं किया जाएगा। यह फैसला पूरे देश में उन लोगों के लिए राहत लेकर आया है, जिन्हें किसी कारण से समय पर दावा दाखिल नहीं कर पाए थे। यह आदेश न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एन.वी. अंजारिया की पीठ ने दिया। दरअसल, साल 2019 में मोटर व्हीकल्स एक्ट में संशोधन कर एक नई धारा 166(3) जोड़ी गई थी, जिसमें कहा गया था कि दुर्घटना के छह महीने के भीतर ही मुआवजे का दावा दाखिल किया जा सकता है।

भाजपा का राहुल गांधी पर निशाना

अगर पिछड़ों की चिंता है तो खुद एलओपी क्यों बने-राजनाथ सिंह

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोपों को निराधार बताते हुए उन्हें चुनाव आयोग में लिखित शिकायत दर्ज कराने की चुनौती दी। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सफल राजनीतिक करियर के लिए झूठ बोलना ज़रूरी है और महागठबंधन के 'अव्यावहारिक' चुनावी वादों पर भी निशाना साधा। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर वोट चोरी के आरोपों को लेकर तीखा हमला

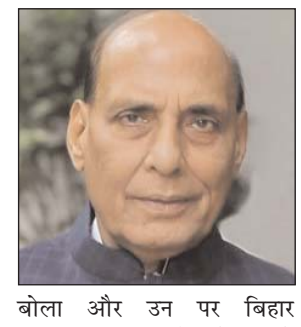

बोला और उन पर बिहार विधानसभा चुनावों से पहले मतदाताओं को गुमराह करने का आरोप लगाया। रोहतास के दिनारा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, सिंह ने राहुल गांधी के मतदाता धोखाधड़ी के दावों पर सवाल उठाया और उनसे आग्रह किया कि अगर उन्हें सचमुच लगता है कि वोट चुराए जा रहे हैं तो उन्हें चुनाव आयोग में लिखित शिकायत दर्ज करानी चाहिए। सिंह ने कहा कि अगर राहुल गांधी को लगता है कि बिहार के लोगों के वोट चुराए जा रहे हैं, तो वह चुनाव आयोग में लिखित शिकायत क्यों नहीं दर्ज कराते? मैं उनसे पूछना चाहता हूँ कि क्या सच बोलकर राजनीति नहीं की जा सकती? क्या सफल राजनीतिक करियर के लिए झूठ बोलना ज़रूरी है बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, राहुल गांधी ने 2024 के हरियाणा विधानसभा चुनावों में बड़े पैमाने पर मतदाता धोखाधड़ी का आरोप लगाया।

नेहरू को केवल चीन युद्ध

आडवाणी को रथ यात्रा से न आंकें-सांसद शशिथरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पूर्व उपप्रधानमंत्री और भाजपा के संस्थापक सदस्यों में से एक लाल कृष्ण आडवाणी की विरासत का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि जैसे भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को सिर्फ चीन युद्ध की हार से नहीं आंका जा सकता या इंदिरा गांधी को केवल आपातकाल से नहीं, वैसे ही आडवाणी के लंबे राजनीतिक जीवन को भी एक घटना तक सीमित कर देना अनुचित है। शशि थरूर ने 'एक्स' (पूर्व ट्विटर) पर यह बयान आडवाणी के 98वें जन्मदिन (8 नवंबर) पर शुभकामनाएं देते हुए दिया। थरूर ने आडवाणी को 'एक

सच्चे राजनेता' बताते हुए कहा कि उनका लोकसेवा के प्रति समर्पण, विनम्रता और ईमानदारी देश के लिए प्रेरणा है। हालांकि, थरूर के इस ट्वीट पर विवाद भी खड़ा हो गया। सुप्रीम कोर्ट के वकील संजय हेगड़े ने थरूर की आलोचना करते हुए लिखा माफकीजिए थरूर साहब।

गुजरात में मिर्च पाउडर लूट का प्लान फेल ज्वैलर ने महिला को कुछ सेकेंड में जड़े 17 थप्पड़

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। यहां एक महिला ने ज्वैलरी की दुकान में चोरी का प्रयास करते हुए दुकानदार की आंखों में मिर्च पाउडर फेंकने की कोशिश की, लेकिन उसका प्लान बुरी तरह फ्लॉप हो गया। यह घटना अहमदाबाद के राणीप इलाके की है। बताया जा रहा है कि महिला अपने चेहरे को आंशिक रूप से दुपट्टे से ढककर दुकान में दाखिल हुई और ग्राहक बनने का नाटक करने लगी। कुछ देर बाद उसने अचानक दुकानदार पर मिर्च पाउडर फेंक दिया, ताकि उसे अंधा कर भाग सके।

दिल्ली-एनसीआर में न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ा प्रदूषण,एक्यूआई 400 के करीब,कई इलाकों में 'गंभीर' श्रेणी में पहुंचा स्तर

दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। मौसम विभाग (आईएमडी) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार आने वाले सात दिनों तक न्यूनतम तापमान 13 डिग्री के आसपास रहेगा, जबकि सुबह-शाम की ठंडी हवाएं सर्दी के एहसास को और तेज कर रही हैं। बारिश की संभावना फिलहाल नहीं है और मौसम पूरी तरह 'फॉग' यानी कोहरे की स्थिति के साथ बना रहेगा। सर्दी के साथ-साथ हवा की गुणवत्ता तेजी से बिगड़ती जा रही है। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के बड़े हिस्सों में एयर क्वालिटी इंडेक्स बेहद खराब स्थिति

में पहुंच गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की मॉनिटरिंग के मुताबिक दिल्ली के कई स्टेशनों पर एक्यूआई 'गंभीर' स्तर यानी 350 से 400 के बीच रिकॉर्ड किया गया। अलिपुर (355), आनंद विहार (359), अशोक विहार (363), बवाना (403), बुराड़ी (376) और करणी सिंह शूटिंग रेंज (342) जैसे कई इलाकों में हवा की स्थिति बेहद खराब है। इसी तरह एनसीआर के गाजियाबाद और नोएडा में भी हालात चिंताजनक बने हुए हैं। गाजियाबाद के इंदिरापुरम में एक्यूआई 271, लोनी में 336, संजय नगर में 269 और वसुंधरा में 368 दर्ज किया गया। वसुंधरा और लोनी जैसे इलाकों में प्रदूषण बेहद गंभीर श्रेणी में बना हुआ है, जो सांस एवं दिल से जुड़ी बीमारियों के लिए बड़ा खतरा है। नोएडा में भी स्थिति बेहतर नहीं है। सेक्टर-125 में एक्यूआई 328, सेक्टर-62 में 323, सेक्टर-1 में 326 और सेक्टर-116 में 333 तक पहुंच गया। हेल्थ इम्पैक्ट अलर्ट के अनुसार, यह वायु गुणवत्ता लंबे समय तक संपर्क में रहने पर फेफड़ों और सांस संबंधी बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ा सकती है।

तैयारियां पहले चरण से भी ज़्यादा कड़ी हैं-डीजीपी

चुनावी प्रचार पर लगा विराम,अब दूसरे चरण के लिए 11 नवंबर को 122 सीटों पर होगी वोटिंग..

पटना/ एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए जारी सियासी दलों के चुनावी प्रचार अभियान पर पांच बजते ही विराम लग गया। अब मतदान दो दिन बाद यानी 11 नवंबर को होगा। आज चुनाव प्रचार का आखिरी दिन रहा। दूसरे चरण में 20 जिलों की 122 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है। इसके लिए 45339 मतदान केंद्र बनाएं गए हैं। इनमें से 4109 बूथों को संवेदनशील बनाया गया है। इसमें 4003 अतिसंविदनशील बूथ घोषित हैं। यहां पर चार बजे तक मतदान होगा। कटोरिया, बेलहर, चैनपुर, चेनारी, गोह, नवीनगर, कुटुंबा, औरंगाबाद, रफीगंज, गुरुआ, शेरघाटी, इमामगंज, बाराचट्टी के (36 बूथ), बोधगया (200 बूथ), रजौली, गोविंदपुर, सिकंदरा, जमुई, झाझा, चकाई विधानसभा में बनाए गए बूथों पर शाम चार बजे मतदान होगा। वहीं बोधगया में 106 बूथों पर शाम पांच बजे तक मतदान होगा। इन बूथों पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात रहने का

निर्देश दिया गया है। दूसरे चरण के मतदान में 1302 प्रत्याशी चुनावी मैदान हैं। इनमें 1165 पुरुष उम्मीदवार, 136 महिला उम्मीदवार और एक थर्ड जेंड हैं। वहीं तीन करोड़ 70 लाख मतदाता दूसरे चरण में मतदान करेंगे। एक करोड़ 95 लाख पुरुष वोटर हैं। एक करोड़ 74 लाख महिला वोटर हैं। चार लाख चार हजार दिव्यांग वोटर हैं। 63373 सर्विस वोटर हैं। 943 थर्ड जेंडर हैं। 43 एनआरआई हैं। वहीं 18 से 19 साल के मतदाताओं की संख्या सात लाख 69 हजार 356 है। बिहार डीजीपी विनय कुमार ने कहा, दूसरे चरण के चुनाव की तैयारियां पहले चरण से भी ज़्यादा कड़ी हैं। जिन ज़िलों में मतदान होगा, उनमें से कुछ अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित हैं, जैसे भारत-नेपाल सीमा से लगे सात ज़िले। अंतरराज्यीय सीमा से लगे ज़िलों में भी चुनाव हो रहे हैं। इन राज्यों में नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं और इन राज्यों के डीजीपी से बातचीत भी हो चुकी है। सुरक्षा इंतजामों की जानकारी देते हुए डीजीपी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा कल सील कर दी गई थी। अंतरराज्यीय सीमा आज सील कर दी जाएगी। सीमावर्ती राज्यों में चेकपोस्ट बनाए गए हैं और संयुक्त जांच होगी। इस चरण में 1,650 कंपनियां तैनात की जा रही हैं।

सवालों का मोहन ने दिया जवाब

हम मान्यता प्राप्त संस्था हैं पंजीकरण की जरूरत नहीं

बंगलूरू। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कांग्रेस नेताओं के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि संघ को व्यक्तियों के समूह के रूप में मान्यता प्राप्त है और इसका पंजीकरण कराना जरूरी नहीं है। भागवत ने एक सवाल-जवाब सत्र में कहा आरएसएस की स्थापना 1925 में हुई थी। क्या आप उम्मीद करते हैं कि हम ब्रिटिश सरकार के साथ पंजीकृत होते? उन्होंने आगे बताया कि आजादी के बाद भारत सरकार ने ऐसे संगठनों के लिए पंजीकरण को अनिवार्य नहीं बनाया है। भागवत ने कहा हम 'बॉडी ऑफइंडिविजुअल्स' के रूप में वर्गीकृत हैं और एक

मान्यता प्राप्त संगठन हैं। संघ प्रमुख ने बताया कि आयकर विभाग और अदालतों ने भी आरएसएस को बॉडी ऑफ इंडिविजुअल्स के रूप में मान्यता दी है, जिसके कारण संगठन को आयकर से छूट मिली हुई है। भागवत ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा हम पर तीन बार प्रतिबंध लगाया गया।

अब हर थाने में आने वाला नागरिक साझा करेंगे अपना अनुभव

बेहतर पुलिसिंग की ओर दुर्ग रेंज पुलिस की नई पहल, 'अनुभव', दुर्ग रेंज आइजी गर्ग ने बालोद से किया क्यूआर कोड लांच

क्यूआर कोड के माध्यम से मिलेगा पुलिसिंग पर फीडबैक

बालोद। आम नागरिकों की सुविधा और पुलिस सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से दुर्ग रेंज पुलिस ने एक अभिनव पहल 'अनुभव' की शुरुआत की है। यह पहल पुलिस अधीक्षक कार्यालय बालोद के सभागार कक्ष में लांच की गई। कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग ने क्यूआर कोड का शुभारंभ किया। यह पूरी पहल पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम के निर्देशन में चलाई जा रही है। 'अनुभव' योजना सरगुजा रेंज पुलिस की सफलता से प्रेरित है, जहाँ यह व्यवस्था पहले से प्रभावी रूप से लागू की जा चुकी है। दुर्ग रेंज में इसे और व्यापक रूप देने के लिए सभी थाना प्रभारियों को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य पुलिस और जनता के बीच विश्वास, पारदर्शिता और संवाद को और सशक्त बनाना है। इस योजना के तहत अब दुर्ग रेंज के सभी थाना एवं चौकियों में आने वाले नागरिक अपने अनुभव ऑनलाइन साझा कर सकेंगे। इसके लिए प्रत्येक थाना व चौकी में एक विशेष क्यूआर कोड प्रदर्शित किया गया है। नागरिक इस कोड को स्कैन कर एक सरल ऑनलाइन फीडबैक फॉर्म भर सकेंगे, जिसमें कुछ छोटे-छोटे प्रश्नों के माध्यम से वे अपने अनुभव और सुझाव दे सकते हैं। नाम और मोबाइल नंबर देना पूरी तरह वैकल्पिक रखा गया है, ताकि नागरिक बिना किसी झिझक के अपनी राय साझा कर सकें। सभी फीडबैक सुरक्षित रखे जाएंगे और नागरिकों की पहचान गोपनीय रहेगी।

अनुभव और सुझाव साझा करने की अपील

आईजी दुर्ग रेंज रामगोपाल गर्ग ने कहा की जनता के अनुभव ही हमारी पुलिसिंग का वास्तविक आईना हैं। 'अनुभव' पहल से हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि जनता हमारी सेवाओं से कितनी संतुष्ट है और किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है, हमारा लक्ष्य है। पारदर्शी और संवेदनशील पुलिसिंग को और सशक्त बनाना। उन्होंने सभी नागरिकों से इस क्यूआर कोड के माध्यम से अपने अनुभव और सुझाव साझा करने की अपील की हैं।

एसपी बालोद ने तैयार किया क्यूआर कोड

बालोद पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने इस क्यूआर कोड को स्वयं डिजाइन किया है। उन्होंने बताया कि यह प्रणाली पुलिस सेवाओं की पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर सीएसपी डॉ. चित्रा वर्मा, सीएसपी बोनीफास एक्का, डीएसपी माया शर्मा, विभिन्न थाना व चौकी प्रभारी, तथा आईजी कार्यालय से उप निरीक्षक डॉ. संकल्प राय, आरक्षक अभिषेक यादव और प्रशांत कुमार शुक्ला उपस्थित रहे। 'अनुभव' पहल के माध्यम से दुर्ग रेंज पुलिस जनता से सीधे संवाद स्थापित कर रही है। इस फीडबैक के आधार पर नागरिकों की अपेक्षाओं को समझते हुए पुलिस सेवाओं को और अधिक जनहितकारी व प्रभावी बनाया जाएगा।

'एक फीडबैक फॉर्म अनुभव को लांच किया है, जिसको क्यूआर कोड़ के माध्यम से स्कैन किया जा सकता है, और जो भी थाना व चौकी में जाते हैं, उनका अनुभव वहां कैसा रहा वो साझा कर सकते हैं। फीडबैक दे सकते हैं। प्रदेश के दूसरे रेंज में एक दो जगह एक्सपीरियंस हुआ है, उसको देखते हुए यहां लांच किया गया है, मुझे उम्मीद है इससे हम बेहतर पुलिसिंग देने में हेल्प कर सकेंगे। और जो जनता की अपेक्षा है पुलिस से उसे पूरी करने में हमें पूरी मदद मिलेगी।'

रामगोपाल गर्ग आइजी, दुर्ग रेंज

छत्तीसगढ़ बांस तीर्थ संकल्पना सम्मेलन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे उद्घाटन

बेमेतरा। बेमेतरा जिले के ग्राम कठिया स्थित भव्य सृष्टि उद्योग परिसर में आगामी 14 नवंबर शुक्रवार को आयोजित होने जा रहा छत्तीसगढ़ बांस तीर्थ संकल्पना सम्मेलन राज्य के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ने जा रहा है। यह आयोजन भव्य सृष्टि उद्योग प्राइवेट लिमिटेड, प्रेरणा विद्यालय, मानव तीर्थ, समाधान महाविद्यालय, बांस तीर्थ किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड एवं मदेश्वर देवगढ़ किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। यह राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन विशेष रूप से छत्तीसगढ़ राज्य के किसानों के लिए अत्यंत उपयोगी और दिशा-निर्देशक सिद्ध होगा। वर्तमान में राज्य के अधिकांश किसान धान की खेती पर निर्भर हैं, जो लगभग पूर्णतः सरकारी सहायता पर आधारित है। धान से होने वाली सीमित आय और घटता भू-जल स्तर राज्य की कृषि के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गया है। ऐसे में बांस की खेती किसानों के लिए एक सशक्त और सतत विकल्प के रूप में उभर रही है, जो न केवल आय बढ़ाने में सहायक होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को भी कम करेगी। इस सम्मेलन में छत्तीसगढ़ शासन के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे तथा अपने उदबोधन में राज्य में हरित औद्योगिकीकरण और आत्मनिर्भरता के नए अध्याय की रूपरेखा प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री अरुण साव करेंगे। इस अवसर पर मंच पर विशिष्ट अतिथि के रूप में दयालदास बघेल, मंत्री (खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग); केदार कश्यप, मंत्री (वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन एवं संसदीय कार्य विभाग); तथा राजेश अग्रवाल, मंत्री (पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग) उपस्थित रहेंगे। विशेष आमंत्रित अतिथियों में पाशा पटेल, कैबिनेट मंत्री (अधिष्ठित दर्जा प्राप्त), अध्यक्ष-राज्य कृषि मूल्य आयोग, महाराष्ट्र; नंद कुमार (आईएएस), डीजी मनरेगा, महाराष्ट्र; डॉ. एन. वी. रमण राव, निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर; तथा संजीव एस. कर्पे, निदेशक, कोकण बांस एवं बेंत विकास केंद्र एवं सलाहकार टाटा ट्रस्ट प्रमुख रूप से सम्मिलित रहेंगे। साथ ही इस अवसर पर सांसद विजय बघेल (दुर्ग), विधायक लता उसेंडी (कोंडागांव), विधायक दीपेश साहू (बेमेतरा), विधायक ईश्वर साहू (साजा), बिसेसर पटेल, अध्यक्ष, गौसेवा आयोग; प्रहलाद रजक, अध्यक्ष, राजककार विकास बोर्ड; चंद्रशेखर वर्मा, प्रमुख, विश्व हिंदू परिषद छत्तीसगढ़; कल्पना योगेश तिवारी, अध्यक्ष, जिला पंचायत बेमेतरा; अजय साहू, अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी बेमेतरा; विजय सिन्हा, अध्यक्ष, नगर पालिका बेमेतरा; राहुल टिकरिहा, अध्यक्ष, भारतीय जनता युवा मोर्चा बेमेतरा; अवधेश चंदेल, पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश मंत्री; राजेंद्र शर्मा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, भाजपा; खुशबू गोविंद वर्मा, उपाध्यक्ष, जिला पंचायत बेमेतरा; डॉ. प्रमोद पडोले, पूर्व निदेशक, विश्वेश्वरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नागपुर; ए. सुनील जोशी, अध्यक्ष, ग्रामीण उद्यम विकास संस्थान; श्रीनिवास राव, प्रमुख, वन बल छत्तीसगढ़; अरुण पांडे, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वाइल्ड लाइफ); एस. जगदीशन, राष्ट्रीय बांस मिशन छत्तीसगढ़; एवं बी. आनंद बाबू, पूर्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक, छत्तीसगढ़ सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की प्रमुख झलकियों में विश्व के सबसे ऊंचे बांस टावर पर राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण, बांस प्रौद्योगिकी में नवाचार एवं औद्योगिक अनुप्रयोगों का प्रदर्शन, तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन बम्बो की स्थापना की घोषणा शामिल होगी, जिसे राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर के सहयोग से स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही बायोचार, बायो विनेगर, बायो बिटुमेन, बांस क्रैश बैरियर, बाहुबली पोल, फेंस पैनल, लाइट पोल आदि के प्रदर्शन के साथ-साथ वृहद बांस रोपण अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। यह सम्मेलन छत्तीसगढ़ को हरित अर्थव्यवस्था और ग्रामीण समृद्धि की दिशा में एक नई पहचान देने वाला सिद्ध होगा।

वैष्णव अखाड़ा परंपरा के राम-जानकी मंदिर में बर्तन बैंक की स्थापना, धर्म स्तंभ काउंसिल का अभिनव अभियान

बेमेतरा। सनातन संस्कृति की सेवा और समाज में साझा सहयोग की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए धर्म स्तंभ काउंसिल द्वारा वैष्णव परंपरा के राम-जानकी मंदिर, नवागढ़ में 'बर्तन बैंक' की स्थापना की गई। इस बर्तन बैंक के माध्यम से अब शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के ज़रूरतमंद परिवारों को निशुल्क बर्तन उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि वे विवाह, नामकरण, जनेऊ, कथा-कीर्तन, भंडारा, मृत्यु भोज या अन्य धार्मिक-सामाजिक अवसरों पर पर्यावरण के अनुकूल व्यवस्था कर सकें। यह अभिनव पहल न केवल समाज में संवेदनशील साझेदारी का उदाहरण है, बल्कि प्लास्टिक और पेपर संस्कृति के स्थान पर पर्यावरण-सुरक्षित जीवनशैली की दिशा में सार्थक कदम है। धर्म स्तंभ काउंसिल के संस्थापक डॉ. सौरव निर्वाणी ने इस अवसर पर कहा विवाह, भोज या धार्मिक आयोजनों में कागज़, थर्माकोल और प्लास्टिक के बर्तनों का उपयोग बढ़ गया है। यह न केवल पर्यावरण के लिए हानिकारक है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी ख़तरनाक है। रंगीन पेपर या थर्माकोल प्लेटों पर गर्म भोजन करने से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियाँ हो सकती हैं। इसी चिंता को ध्यान में रखते हुए हमने 'बर्तन बैंक' की शुरुआत की है, ताकि समाज में पारंपरिक धातु-बर्तनों के प्रयोग को पुनर्जीवित किया जा सके। यह अभियान स्वच्छता, संस्कार और स्वास्थ्य तीनों का समन्वय है। राम-जानकी मंदिर के महंत सुरेन्द्र दास ने कहा मठ और मंदिर केवल पूजा के स्थल नहीं, बल्कि लोककल्याण के केंद्र भी हैं। धर्म स्तंभ काउंसिल की यह पहल समाज में सेवा और सहभागिता की संस्कृति को पुनर्जीवित करेगी। मैं सभी श्रद्धालुओं, भक्तों और परिवारों से अपील करता हूँ कि वे अपने प्रियजनों की स्मृति में 'बर्तन बैंक' में बर्तन दान करें। यह दान न केवल उपयोगी होगा, बल्कि धर्मार्थ कार्य के रूप में सदैव याद रखा जाएगा। इस अवसर पर पली बढ़ी संध्या रामावत वैष्णव ने अपनी माता स्वर्गीय कृष्णा वैष्णव की पावन स्मृति में 51,000/- की राशि धर्म स्तंभ काउंसिल को भेंट की। इस योगदान को डॉ. सौरव निर्वाणी ने श्रद्धा और समाजसेवा का प्रेरणादायक उदाहरण बताते हुए कहा कि जब व्यक्ति धर्म, परिवार और समाज के बीच सेतु बनाता है, तभी संस्कृति जीवित रहती है।

नगर के मुक्तिधाम की नगर पंचायत द्वारा सफाई

डोंगरगांव नगर। नगर के वार्ड 3 स्थित मुक्तिधाम मे निकाय टीम ने श्रमदान कर सफाई की। उल्लेखनीय है मुक्तिधाम में नगर पंचायत द्वारा नगर को स्वच्छ रखने लगातार प्रत्येक सफाई अभियान चलाया जा रहा है। नपंअध्यक्ष, सीएमओ, निकाय के समस्त कर्मचारीगण, स्वच्छता दीदियाँ शामिल हुए। दरअसल राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती महोत्सव एवं विशेष स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन 25 अक्टूबर से 9 नवम्बर तक किया जा रहा है। इसी क्रम में अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी के नेतृत्व एवं सीएमओ विनम्र जेमा के मार्गदर्शन मे नगर पंचायत अंतर्गत नियमित सफाई के प्रति जागरूकता का कार्य किया जा रहा है।

हर कार्यकर्ता भाजपा की रीढ़, समर्पण और सेवा से ही मजबूत हुआ संगठन : भावना बोहरा

कवर्धा/पंडरिया। भाजपा विधायक भावना बोहरा ने कहा कि भाजपा की असली शक्ति उसके कार्यकर्ता हैं, जिनके परिश्रम, निष्ठा और राष्ट्रप्रेम के बल पर पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति बनी है। वे हाई स्कूल मैदान पोलमी, पंडरिया में आयोजित विधानसभा स्तरीय दीपावली मिलन समारोह एवं आत्मनिर्भर भारत सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं। इस विशाल आयोजन में पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के लगभग 2500 से अधिक कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक बोहरा ने कार्यकर्ताओं के साथ स्नेहभोज किया और सुप्रसिद्ध गायक सुनील सोनी की टीम द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहभागिता की। विधायक बोहरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में भारत और छत्तीसगढ़ आज विकसित व आत्मनिर्भर भारत की दिशा में तेजी से अग्रसर है। उन्होंने कहा आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक नीति नहीं, यह राष्ट्र निर्माण की भावना है। जब हर नागरिक स्वदेशी अपनाता है और अपने श्रम पर गर्व करता है, तभी भारत सशक्त बनता है। उन्होंने कांग्रेस शासनकाल को पंडरिया के लिए उपेक्षा और भ्रष्टाचार का दौर बताते हुए कहा कि भाजपा सरकार आने के बाद विकास की नई रफ्तार मिली है। उन्होंने कहा कि पंडरिया विधानसभा में सड़क, पुल, पेयजल, रोशनी, स्वच्छता और आवास जैसी योजनाओं से हर गांव और घर तक विकास पहुँच रहा है। उन्होंने विशेष रूप से सुतियापाट नहर विस्तार, हरिनाला पुल निर्माण, पंडरिया बायपास, उप तहसील कार्यालयों की स्थापना, पीएम जनमन व महतारी वंदन योजना जैसी उपलब्धियों का उल्लेख किया। कार्यक्रम में खैरागढ़ के पूर्व विधायक कोमल जंघेल ने कहा कि मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' और 'हर घर स्वदेशी' अभियानों ने आत्मनिर्भर भारत को नई दिशा दी है। वहीं आत्मनिर्भर भारत अभियान जिला संयोजक रामकुमार भट्ट ने कहा कि भारत आज इम्पोर्टर से एक्सपोर्टर की ओर अग्रसर है। अंत में पंडरिया भाजपा मंडल अध्यक्ष बसंत वटिया ने सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

ग्रीन इंडिया मिशन में डीपीएस कवर्धा के नन्हें कलाकारों की चमक, राज्य स्तरीय कला प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

कवर्धा। दिल्ली पब्लिक स्कूल, महाराजपुर के विद्यार्थियों ने ग्रीन इंडिया मिशन के तहत आयोजित राज्य स्तरीय कला प्रतियोगिता में अपनी सृजनात्मक प्रतिभा का अदभुत प्रदर्शन करते हुए डीपीएस कवर्धा का नाम गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता में विद्यालय के 71 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिन्हें भागीदारी प्रमाणपत्र और क्राफ्ट किट प्रदान किए गए। इनमें से ओम नेताम (कक्षा 1), गगन चंद्रवंशी (कक्षा 3), नेहा सिन्हा (कक्षा 6), पूर्वी साहू (कक्षा 7), निशल छेड़ावी (कक्षा 9) और आरोही जायसवाल (कक्षा 10) ने शानदार प्रदर्शन कर पदक और प्रमाणपत्र अर्जित किए। विद्यालय में इस प्रतियोगिता का आयोजन कला शिक्षक प्रशांत पॉल के मार्गदर्शन में हुआ। प्राचार्या ग्रेशिया एन फीग्रेड ने प्रातःकालीन सभा में विजेता विद्यार्थियों को पदक पहनाकर सम्मानित किया और सभी प्रतिभागियों की सराहना की। उन्होंने कहा ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और सृजनशीलता दोनों को प्रोत्साहित करती हैं। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे और छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया।

सहसपुर लोहारा नगर पंचायत को मिली 2.11 करोड़ के विकास कार्यों की स्वीकृति

स्वीकृति मिलने पर नगरवासियों ने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रति जताया आभार

कवर्धा। उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा के अथक प्रयासों तथा जनहितैषी पहल के फलस्वरूप नगर पंचायत सहसपुर लोहारा को वित्तीय वर्ष 2025-26 में अधो संरचना मद अंतर्गत विभिन्न विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों के लिए 2 करोड़ 11 लाख 8 हजार रुपए की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इस स्वीकृति के बाद नगरवासियों में हर्ष की लहर व्याप्त है और जनप्रतिनिधियों ने उपमुख्यमंत्री शर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया है। स्वीकृत कार्यों में नगर पंचायत के प्रमुख मार्गों एवं चौराहों का सौंदर्यीकरण, जनसुविधा परिसरों का निर्माण तथा सार्वजनिक स्थलों के उन्नयन कार्य शामिल हैं। नगर में 40 लाख रुपए की लागत से दो भव्य प्रवेश द्वारों का निर्माण कराया जाएगा, वहीं वार्ड क्रमांक 11 में 25 लाख रुपए की लागत से भारत माता चौक का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इसी वार्ड में 6 लाख 50 हजार रुपए की लागत से एक सामुदायिक भवन तथा 15 लाख 81 हजार रुपए की लागत से छत्तीसगढ़ महतारी चौक का निर्माण किया जाएगा। वार्ड क्रमांक 13 में 22 लाख 39 हजार रुपए की लागत से पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक का निर्माण कार्य स्वीकृत हुआ है, जबकि वार्ड क्रमांक 11 में 4 लाख 81 हजार रुपए की लागत से डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक का निर्माण किया जाएगा। नगर के खेल प्रेमियों के लिए भी अच्छी खबर है। वार्ड क्रमांक 11 में स्थित खेल मैदान का उन्नयन एवं हाई मास्क लाइट लगाने का कार्य स्वीकृत हुआ है, जिस पर लगभग 46 लाख 57 हजार रुपए व्यय किए जाएंगे। नगर के व्यापारिक विकास को दृष्टिगत रखते हुए बालक प्राथमिक शाला के पीछे, पुराने पंचायत भवन के पास 30 लाख रुपए की लागत से एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त, कस्तूरबा आवासीय विद्यालय से सांस्कृतिक भवन तक 10 लाख रुपए की लागत से पाथवे निर्माण तथा पुराने तालाब के पास 10 लाख रुपए की लागत से छोटे गार्डन का निर्माण किया जाएगा।इन सभी विकास कार्यों से नगर पंचायत सहसपुर लोहारा का समग्र स्वरूप बदल जाएगा। चौक-चौराहों के सौंदर्यीकरण से नगर और भी आकर्षक बनेगा, वहीं नए सामुदायिक भवनों, खेल मैदान और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स से नागरिकों को नई सुविधाएँ प्राप्त होंगी। उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने कहा है कि सहसपुर लोहारा नगर पंचायत के सर्वांगीण विकास के लिए यह स्वीकृति एक ऐतिहासिक कदम है। हमारा लक्ष्य है कि कवर्धा विधानसभा के प्रत्येक नगर और गांव को मूलभूत सुविधाओं से सुसज्जित किया जाए। इन निर्माण कार्यों के पूर्ण होने से नगर की सुंदरता और जनसुविधाओं दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। नगरवासियों, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों ने इन सभी स्वीकृतियों पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से नगर में रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी, व्यापारिक गतिविधियाँ तेज होंगी और सहसपुर लोहारा का समग्र विकास सुनिश्चित होगा।

बेमेतरा में 'वन्दे मातरम् 150' का भव्य उत्सव: एकता, राष्ट्रीय गौरव और आत्मीयता का सामूहिक संगम

जिले के सभी 429 ग्राम पंचायत में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का सामूहिक गायन किया गया

बेमेतरा। वन्दे मातरम् राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर बेमेतरा जिला देशभक्ति, एकता और आध्यात्मिक भाव से सराबोर रहा। जिला प्रशासन के नेतृत्व में पूरे जिले में एक साथ सामूहिक वन्दे मातरम् गायन का आयोजन किया गया। यह दिन राष्ट्रीय भावना, गौरव और कर्तव्य के प्रति समर्पण का प्रतीक बन गया।

प्रधानमंत्री का वर्चुअल उदबोधन और स्मारक विमोचन

समारोह में उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल उदबोधन भी सुना। प्रधानमंत्री ने इस ऐतिहासिक अवसर पर वन्दे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर स्मारक सिक्का, डाक टिकट और वेबसाइट का शुभारंभ किया। अपने उदबोधन में उन्होंने कहा कि वन्दे मातरम् एक शब्द नहीं, बल्कि एक मंत्र, एक स्वर, एक संकल्प और राष्ट्र के प्रति समर्पण की धारा है। यह गीत हमें विकसित और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बढ़ने की निरंतर प्रेरणा देता है। प्रधानमंत्री के इस संदेश ने सभागार में उपस्थित सभी लोगों के हृदय में नई ऊर्जा और उत्साह भर दिया।

दीप प्रज्ज्वलन से हुआ जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ

कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुई। कलेक्टर रणबीर शर्मा ने अपने प्रेरक उदबोधन में कहा वन्दे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि स्वतंत्रता की भावना, राष्ट्रीय चेतना और भारत माता के प्रति श्रद्धा का स्वर है। इस गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन में देशप्रेमियों को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया। 150वीं वर्षगांठ हमें याद दिलाती है कि राष्ट्रधर्म और कर्तव्य के प्रति हमारे कदम कभी कमजोर नहीं होने चाहिए। पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू ने कहा वन्दे मातरम् भारत माता की वंदना है। इसकी रचना उस समय हुई जब देश गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा था। इस गीत ने हर भारतीय के भीतर राष्ट्रभक्ति की ज्वाला प्रज्वलित की और स्वतंत्रता आंदोलन को नई शक्ति दी। यह गीत हर भारतीय के हृदय में देशप्रेम की भावना को जीवित रखता है।

राष्ट्रीय गौरव और एकता का सच्चा उत्सव

यह आयोजन केवल एक गीत का गायन नहीं था, बल्कि भारतीय अस्मिता, राष्ट्रीय चेतना और एकता का सजीव प्रतीक था। वन्दे मातरम 150 उत्सव ने यह संदेश दिया कि वन्दे मातरम् केवल गीत नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय आत्मा की धड़कन है।

यह दिवस बेमेतरा के लिए राष्ट्रीय गौरव, एकता और आत्मीयता का उत्सव बन गया। कलेक्टर रणबीर शर्मा का संदेश - वन्दे मातरम् राष्ट्रगीत स्वतंत्रता की अवधारणा को सशक्त और जीवित रखने की प्रेरणा देता है। यह गीत हमें अपने कर्तव्यों, अपने देश और अपने आदर्शों के प्रति समर्पित रहने का संदेश देता है।

पूरा जिला 'वन्दे मातरम्' के स्वर में एकजुट

वन्दे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर जिले के चारों विकासखंड बेमेतरा, साजा, नवागढ़ और बेरला में सामूहिक राष्ट्रीय गीत का आयोजन हुआ। जिले के लगभग 1300 स्कूलों, 429 ग्राम पंचायतों, सभी नगरीय निकायों नगर पालिका परिषद बेमेतरा, नगर पंचायत नवागढ़, देवकर, थानखम्हरिया, मारो, परपोड़ी, साजा सहित अन्य शासकीय महाविद्यालयों और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में एक साथ वन्दे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया। जिला मुख्यालय से लेकर ग्राम पंचायतों तक एक ही स्वर में गूंज उठा वन्दे मातरम। पूरा जिला मानो राष्ट्रभक्ति के एक अद्भुत उत्सव में विलीन हो गया।

जिला मुख्यालय में भव्य समारोह

जिला मुख्यालय बेमेतरा स्थित जिला पंचायत सभागार में कलेक्टर रणबीर शर्मा के नेतृत्व में आयोजित मुख्य समारोह में अधिकारी, जनप्रतिनिधि, नागरिक और छात्र-छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर कलेक्टर शर्मा, एसएसपी रामकृष्ण साहू, जिला पंचायत सीईओ प्रेमलता पदमाकर, भाजपा जिला अध्यक्ष अजय साहू, जिला पंचायत सदस्य मधु राय, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि पीयूष शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। सभी ने सामूहिक रूप से वन्दे मातरम् का गायन कर राष्ट्रीय एकता का प्रेरक संदेश दिया।

श्रीराम एकेडमी बेमेतरा में 10 तारीख से शिक्षक भर्ती नवीन बैच की होंगी शुरुआत

बेमेतरा। नगर के प्रतिष्ठित निः शुल्क कोचिंग संस्थान श्रीराम एकेडमी बेमेतरा में अनुभवी शिक्षकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के मार्गदर्शन में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की निः शुल्क तैयारी कराई जाती है। हाल फिलहाल में छत्तीसगढ़ में 5000 शिक्षक भर्ती होनी है इसी कड़ी में श्रीराम एकेडमी बेमेतरा में 10 नवम्बर को शाम 6 बजे से शिक्षक भर्ती की नवीन बैच प्रारंभ किया जाएगा। जिनका रजिस्ट्रेशन प्रारंभ हो चुका है जिसमें अब तक सैकड़ों छात्र छात्राओं ने अपना रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूर्ण करा चुके हैं। यदि आप भी शिक्षक भर्ती की इस नवीन बैच का हिस्सा बनना चाहते हैं तब तत्काल श्रीराम एकेडमी बेमेतरा में आवश्यकत दस्तावेजों के साथ सम्पर्क करें तथा अपनी सीट सुरक्षित कराएं। ज्ञात हो कि वर्तमान में श्रीराम एकेडमी बेमेतरा में विभिन्न बैच मिलाकर लगभग एक हजार से अधिक अभ्यर्थी अध्ययन कार्य कर रहे हैं जिसमें बेमेतरा जिले के साथ साथ सैकड़ों की संख्या में अन्य जिले की अभ्यर्थी शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

सीजीपीएससी घोटाला मामला : हाईकोर्ट में राज्य सरकार की अपील खारिज

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) 2021-22 भर्ती घोटाला मामले में हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार की अपील खारिज करते हुए उन 37 चयनित अभ्यर्थियों के पक्ष में फैसला सुनाया है, जिनके खिलाफ अब तक सीबीआई ने कोई चार्जशीट दाखिल नहीं की है। अदालत ने ऐसे सभी उम्मीदवारों को तुरंत नियुक्ति दी जाने का आदेश दिया है। यह फैसला मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति बी.डी. गुरु की बेंच ने सुनाया। बता दें कि राज्य सरकार ने हाईकोर्ट की सिंगल बेंच के फैसले को चुनौती दी थी, जिसने पहले ही इन अभ्यर्थियों को राहत दी थी। सिंगल बेंच ने कहा था कि जिन उम्मीदवारों पर न तो कोई आपराधिक मामला दर्ज है और न ही चार्जशीट दाखिल हुई है, उनकी ज्वाइनिंग रोकी नहीं जा सकती। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) द्वारा आयोजित 2021-22 की भर्ती परीक्षा से जुड़ा है। चयन प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों और फर्जीवाड़े की शिकायतों के बाद राज्य सरकार ने जांच सीबीआई को सौंपी थी। जांच में कुछ उम्मीदवारों पर संदेह जताया गया और कुछ के खिलाफ चार्जशीट दायर की गई। लेकिन जिन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, उनकी नियुक्ति भी रोक दी गई थी। इन 37 अभ्यर्थियों ने कोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि बिना किसी चार्जशीट के सिर्फ जांच लंबित होने के आधार पर ज्वाइनिंग रोकना अनुचित है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार की दलीलें खारिज करते हुए कहा कि जब तक किसी उम्मीदवार के खिलाफ आपराधिक चार्जशीट दाखिल नहीं होती, उसे नियुक्ति से वंचित रखना न्यायसंगत नहीं है। इस फैसले के बाद अब सभी 37 अभ्यर्थियों के लिए नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है।

रायपुर पुलिस नेसोने का मंगलसूत्र स्नेचिंग करने वाला पकड़ाया

रायपुर। रायपुर पुलिस नेसोने का मंगलसूत्र स्नेचिंग करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से मंगलसूत्र तथा एक मोटरसायकल जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया श्रीमती रूबी बाई ने थाना सिविल लाईन में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह प्रतिदिन की तरह दिनांक 01.11.2025 को सुबह करीबन 4.30 बजे पैदल टहलने के लिए निकली थी। पैदल चलते हुये वह गली नंबर 05 पहुंचकर फूल तोड़ रही थी। इसी दौरान मोटर सायकल में सवार एक अज्ञात लड़का आकर गाड़ी रोककर प्रार्थिया से फूल मांगा तो वह फूल तोड़ने हेतु पीछे मुड़ कर फूल तोड़ने लगी तभी लड़का प्रार्थिया के गले में पहने सोने का मंगलसूत्र को खींच कर भाग गया। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना सिविल लाईन में 304(2) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया गया। मामले में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना सिविल लाईन पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा घटना के संबंध में प्रार्थिया से विस्तृत पूछताछ कर अज्ञात आरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा घटना स्थल व उसके आसपास लगे सी.सी.टी.व्ही. कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करने के साथ ही प्रकरण में मुखबीर लगाये गये। तरीका वारदात के आधार पर हाल ही में जेल से रिहा हुये आरोपियों सहित जानकारी प्राप्त हुई तथा आरोपी की पहचान जल विहार तेलीबांधा निवासी बिट्टू कुमार उर्फ साहिल, जो पूर्व में भी मोबाईल स्नेचिंग के प्रकरण में थाना सिविल लाईन से जेल निरूद्ध रह चुका है, के रूप में करते हुये आरोपी की पतासाजी कर आरोपी बिट्टू कुमार उर्फसाहिल को पकड़ा गया। प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा स्नेचिंग की उक्त घटना को अंजाम देना बताया गया। जिस पर आरोपी बिट्टू कुमार उर्फसाहिल को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से स्नेचिंग किया हुआ सोने का मंगलसूत्र एवं घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल जब्त किया गया।

सासाहोली स्थित ओव्हर के नीचे शराब बेच रहा युवक पकड़ाया

रायपुर। जिले के थाना तिल्दा नेवरा क्षेत्रांतर्गत सासाहोली स्थित ओव्हर के नीचे अवैध रूप से शराब बेच रहे युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से कुल 18.660 बल्क लीटर अंग्रेजी शराब जब्त किया है। एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना प्राप्त हुई थी कि थाना तिल्दा नेवरा क्षेत्रांतर्गत सासाहोली स्थित ओव्हर के नीचे एक व्यक्ति अपने पास थैलों में शराब रखा है तथा बिक्री करने की फिराक में है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना तिल्दा नेवरा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर मुखबीर द्वारा बताये हुलिये के व्यक्ति को चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम सोनू उर्फ हरीश कुमार नसानी निवासी तिल्दा नेवरा रायपुर का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उसके पास रखें थैलों की तलाशी लेने पर थैलों में शराब रखा होना पाया गया। शराब रखने एवं बिक्री करने के संबंध में सोनू उर्फ हरीश कुमार से वैध दस्तावेज की मांग करने पर उसके द्वारा किसी प्रकार का कोई दस्तावेज प्रस्तुत न कर टीम के सदस्यों को लगातार गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा था। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा आरोपी सोनू उर्फहरीश कुमार को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध रूप से रखें अलग-अलग ब्राण्ड के कुल 18.660 बल्क लीटर अंग्रेजी शराब कीमती लगभग 17 हजार रूपये जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना तिल्दा नेवरा में धारा 34(2) आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया।

जिले में असामाजिक गतिविधियों में संलिप्त युवक को कलेक्टर सिंह ने 3 माह के लिए किया जिला बदर

रायपुर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रायपुर डॉ. गौरव सिंह द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 5(ख) के तहत जोगिन्दर बाघ पिता हरि बाघ, उम्र 19 वर्ष, निवासी दीपक कॉलोनी, थाना न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर को जिले की सीमाओं से निष्कासित जिला बदर करने का आदेश जारी किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अनावेदक द्वारा लगातार असामाजिक और आपराधिक प्रवृत्तियों की गतिविधियाँ की जा रही थीं, जिन पर सामान्य कानूनी कार्यवाही और प्रतिबंधात्मक कदमों का भी कोई प्रभाव नहीं पड़ा। सुरक्षा एवं लोक व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा आवश्यक गोपनीय साक्ष्य और रिपोर्ट के आधार पर यह कार्रवाई की गई। जारी आदेश के अनुसार, अनावेदक को आदेश की तिथि से एक सप्ताह के भीतर, अर्थात 09 नवम्बर 2025 तक रायपुर, दुर्ग, धमतरी, महासमुंद और बलौदाबाजार जिलों की राजस्व सीमाओं से बाहर जाना होगा तथा 02 फरवरी 2026 तक बिना सक्षम न्यायालय की अनुमति के इन जिलों की सीमाओं में प्रवेश नहीं कर सकेगा।

राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण

छत्तीसगढ़ में देशभक्ति से ओतप्रोत,उत्सवमय हुआ वातावरण-अग्रवाल

- संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने जिला स्तरीय कार्यक्रम में की शिरकत

रायपुर/ संवाददाता

राष्ट्रगौरव और देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत माहौल में आज छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंबिकापुर में आयोजित जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम में पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री विलास भोसकर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक, श्री अमृत लाल ध्रुव सहित बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी और नागरिकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने दूरदर्शन पर प्रसारित राष्ट्रव्यापी लाइव समारोह का अवलोकन किया, जिसमें प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'वंदे मातरम् 150 वर्ष' समारोह का औपचारिक शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने संदेश में कहा कि 'वंदे मातरम्' केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत माता के प्रति श्रद्धा, समर्पण और एकता का प्रतीक है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशवासियों में अमिट राष्ट्रभावना का संचार किया। इस अवसर पर संगीत महाविद्यालय अंबिकापुर के विद्यार्थियों ने स्वरबद्ध रूप में 'वंदे मातरम् की प्रस्तुति दी, जिसे सभागार में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने खड़े होकर दोहराया। पूरा सभाकक्ष देशभक्ति की भावनाओं से गूंज उठा। संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'वंदे मातरम्' भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा रहा है। यह गीत हर भारतीय के भीतर मातृभूमि के प्रति प्रेम, त्याग और समर्पण की भावना को जागृत करता है।

उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे इस गीत की भावना को अपने जीवन में आत्मसात करें और नई पीढ़ी तक पहुंचाएं। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर देशभर में वर्षभर चलने वाले चार चरणों के विशेष कार्यक्रमों की रूपरेखा निर्धारित की गई है— प्रथम चरण 07 से 14 नवम्बर 2025, द्वितीय चरण 19 से 26 जनवरी 2026 (गणतंत्र दिवस सप्ताह), तृतीय चरण 07 से 15 अगस्त 2026 (हर घर तिरंगा अभियान के साथ) एवं चतुर्थ चरण 01 से 07 नवम्बर 2026 (समापन सप्ताह) होगा। इसके साथ ही भारत सरकार द्वारा नामक विशेष पोर्टल भी प्रारंभ किया गया है, जहाँ नागरिक राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' को अपने स्वर में गाकर अपलोड कर सकते हैं। इस पोर्टल पर गीत के बोल, संगीत और डिजिटल प्रमाणपत्र की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इस राष्ट्रीय उत्सव में अपनी सहभागिता दर्ज करा सकें। छत्तीसगढ़ में आज का यह कार्यक्रम राष्ट्रगौरव, एकता और देशभक्ति की भावना से परिपूर्ण रहा — जिसने यह संदेश दिया कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की अभिव्यक्ति है। राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर आज आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, छत्तीसगढ़ में श्रद्धा और उत्साह के साथ विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रातः 10:00 बजे सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों ने एक साथ 'वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया और इसके ऐतिहासिक महत्व को नमन किया। इस अवसर पर संचालनालय के संयुक्त संचालक श्री एस. के. बंजार, श्री एस. के. कश्यप, उप संचालक श्री दिनेश तिवारी, श्रीमती सरोज कंवर तथा श्री जे. आर. मधुकर भी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने माननीय प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी संबोधन को भी सुना।

कांग्रेस की हार को लेकर रॉर,वृहस्पतसिंह के वार पर टीएस सिंहदेव का पलटवार....

- कांग्रेस के बड़े नेताओं की गुटबाजी एवं संगठन में कलह हार का कारण- वृहस्पतसिंह
- वृहस्पतसिंह कांग्रेस के विधायक नहीं है वर्तमान में वे निष्कासित है -सिंहदेव

रायपुर। संवाददाता

छग प्रदेश कांग्रेस कमेटी में गुटबाजी रूके नहीं रूक रही है इस समय वरिष्ठ नेता एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगा रहे है। बलराम पुर के पूर्व विधायक बृहस्पत सिंह ने आरोप लगाया है कि छग के बड़े नेता कांग्रेस में एकजुटता नहीं छांटते हमने इस संबंध में राहुल गांधी को शिकायत भी की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने टी एस बाबा ने पलटवार करते हुए कहा कि वृहस्पतसिंह अपने अनुभवों के आधार पर यह बातें कह रहे है लेकिन वे वर्तमान में कांग्रेस में नहीं है। अंबिकापुर के बलरामपुर से विधायक रहे वृहस्पतसिंह वर्तमान में कांग्रेस से निष्कासित है उन्होंने आज अपने बयान में कहा कि राहुल गांधी से वे कई बार मिले है उन्होंने पिछले कई वर्षो से कांग्रेस से पराजित होने के कारण भी हमसे पूछा है तो हमने बताया है कांग्रेस में आपसी गुटबाजी

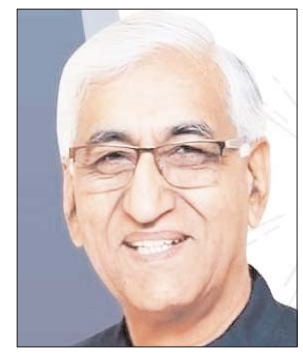

कलह और बड़े नेताओं की महत्वकांक्षा के कारण कांग्रेस चुनाव नहीं जीत जा रही है। वृहस्पतसिंह ने विधायक रहते हुए टीएस सिंह देव पर हत्या करने का भी आरोप लगाया था जिसके चलते वे काफी चर्चा में भी पूर्व मुख्यमंत्री के खास होने के कारण बदलती परिस्थितियों में उन्होंने कांग्रेस से निकाल दिया गया है। कांग्रेस नेता सिंहदेव ने वृहस्पतसिंह के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वृस्पतसिंह वर्तमान में कांग्रेस विधायक नहीं है वे कांग्रेस से निष्कासित है। मेरी हत्या के संबंध में उन्होंने जो ब्यान दिया था उस पर उन्होंने स्थिति स्पष्ट कर दी है। कांग्रेस में गुटबाजी और कलह के आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि वे अपने अनुभवों के आधार पर ऐसा कह रहे हैं। ज्ञात रहे अंबिकापुर में सभी सीटों पर भाजपा जीत गई है। यहां तक की टीएस सिंहदेव मंत्री रहते हुए चुनाव हार गये है जिसके कारण कांग्रेस की काफी फजिहत हुई है।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक अंतर्गत मोहला के केवटटोला आरोग्य मंदिर ने किया प्रदर्शन

- क्वालिटी सर्टिफिक्रेशन विद कंडीशनलिटी किया प्राप्त
- ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं में गुणवत्ता की नई पहचान

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं और स्वास्थ्य आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ करने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं, जिसका परिणाम है कि राज्य में जहां नए मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं। वहीं आधारभूत संरचनाओं को सशक्त भी किया जा रहा है, जिसका उदाहरण मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले में देखने को मिला। जहां आयुष्मान आरोग्य मंदिर केवटटोला ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में एक नई मिसाल कायम की है। केंद्र ने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए क्वालिटी सर्टिफिक्रेशन विद कंडीशनलिटी प्राप्त किया है। यह उपलब्धि केंद्र की समर्पित स्वास्थ्य टीम, समुदाय के सक्रिय सहयोग तथा जिला प्रशासन के निरंतर प्रयासों का भी परिणाम है। केंद्र ने 11 जुलाई 2025 को राष्ट्रीय स्तर के मूल्यांकनकर्ता द्वारा किए गए बाह्य मूल्यांकन में 79.35 प्रतिशत स्कोर प्राप्त किया, जो गुणवत्ता मापदंडों के अनुरूप उत्कृष्ट प्रदर्शन को दर्शाता है। केंद्र ने सेवाओं की पहुंच, रिकॉर्ड प्रबंधन, स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण तथा रोगी संतुष्टि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार किए हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद टीम ने अपनी कार्यशैली में निरंतर सुधार लाते हुए गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान कीं। इस उपलब्धि में सामुदायिक सहभागिता और स्टाफ की निष्ठा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिला कार्यक्रम प्रबंधक के अनुसार केवटटोला केंद्र ने अपने प्रयासों से यह सिद्ध किया है कि समर्पित योजना और टीम भावना से ग्रामीण क्षेत्रों में भी उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं संभव हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय खोब्रागड़े ने कहा कि केवटटोला आयुष्मान आरोग्य मंदिर की यह उपलब्धि जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों के लिए प्रेरणास्रोत है। आने वाले समय में हम जिले के अन्य स्वास्थ्य केंद्रों को भी इसी दिशा में प्रोत्साहित करेंगे। यह प्रमाणन छह माह की अवधि के लिए प्रदान किया गया है, जिसके दौरान केंद्र पहचाने गए सुधार क्षेत्रों पर कार्य करेगा ताकि पूर्ण गुणवत्ता प्रमाणन प्राप्त किया जा सके। केवटटोला आयुष्मान आरोग्य मंदिर की यह सफलता जिले में क्वालिटी युक्त, सुलभ और जनोन्मुख स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक सशक्त कदम है।

एसआईआर पर हुआ प्रशिक्षण कार्यशाला

एसआईआर को जन आंदोलन बनाए राष्ट्रीय संगठन महामंत्री शिवप्रकाश...

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दृष्टिगत आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर जाकर, हर एक घर तक पहुंचकर हर एक परिवार का नाम दो बार मिलान करना है एवं उनका नाम मतदाता सूची में शामिल करना है। उन्होंने कहा कि इस संपर्क अभियान के माध्यम से बूथ समितियों को और भी मजबूत करना है। भाजपा राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे

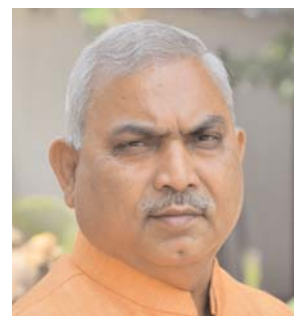

परिसर में भाजपा पदाधिकारी से चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता हर परिस्थितियों के लिए तैयार रहते हैं। हमारे कार्यकर्ता परिश्रमी व पराक्रमी है वह समाज के बीच हमारी राष्ट्रवादी विचारधारा को मजबूत करने में जुटे है। यह अभियान भी महत्वपूर्ण है जिसमें सबकी भूमिका सदैव की तरह होनी चाहिए। कांग्रेस ने हमेशा राष्ट्रहितों का विरोध किया है - देव भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी के दुष्प्रचार को हमें लोगों तक पहुंचना है। जो फर्जी तरीके से मतदान कर रहे हैं, उन्हें रोकना है। इसके लिए एसआईआर एक प्रमुख माध्यम है। एसआईआर की शुरुआती प्रक्रिया देश के 12 राज्यों में की जा रही है, जिसमें से छत्तीसगढ़ भी शामिल है। जिसमें आप सबकी महत्वपूर्ण भागीदारी एवं जिम्मेदारी होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा राष्ट्रहितों का विरोध किया है। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए आगामी कार्य योजना को लेकर विस्तार से चर्चा की।

नाले में मिली इंजिनीयर की लाश

रायपुर। बिलासपुर के हिर्री क्षेत्र के सरसेनी स्थित काजू फैक्ट्री के पास इंजीनियर का शव मिला है। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया तथा मामले की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि इंजीनियर और गांव के कुछ लोग देर रात तक बैठकर शराब पी रहे थे। इसके बाद इंजीनियर घर नहीं लौटा था। मिली जानकारी के अनुसार मृतक का नाम भास्कर शर्मा बताया जा रहा है जो कि पेशे से इंजीनियर था तथा कुछ सालों से पुणे में रहकर किसी कंपनी में काम कर रहा था और दिवाली की छुट्टियों में घर आया था। बताया जाता है कि बुधवार की रात मृतक गांव के लोगों के साथ काजू फैक्ट्री के पास बैठकर शराब पी रहा था। इसके बाद उनके साथ के लोग गांव लौट गए।

प्रमुख सचिव सोनमणी बोरा ने की विभागीय योजनाओं की समीक्षा

राज्य स्तरीय कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

- 21.73 करोड़ रूपए की लागत से जरहाभाठा में बनेगा 300 सीटर बालक छात्रावास

रायपुर/ संवाददाता

आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणी बोरा ने आज बिलासपुर जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में विभागीय योजनाओं में प्रगति की समीक्षा की। बैठक में बिलासपुर संभाग सहित कुल 10 जिलों बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, सक्ती, सारंगढ़-बिलाईगढ़, बलौदाबाजार, मुंगेली, कबीरधाम, रायगढ़ एवं कोरबा के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ, संबंधित सहायक आयुक्त एवं विभागीय अधिकारी मौजूद थे। श्री बोरा ने अधिकारियों से कहा कि विभागीय योजनाओं की निगरानी नियमित समीक्षा एवं फील्ड निरीक्षण के माध्यम से की जाए। उन्होंने अधिकारियों से जनजातीय समुदाय के बीच जाकर योजनाओं की जानकारी देने, संपर्क एवं संवाद बढ़ाने पर भी बल दिया। शासन की योजनाओं का लाभ तभी सार्थक होगा जब वह अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। सभी अधिकारी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने योजनाओं की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी अपूर्ण कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि जो कार्य नियोजित अवधि में पूर्ण नहीं किए जा सकते, उन्हें निरस्त किया जाए, और जो कार्य पूर्ण हो चुके हैं, उनके उपयोगिता प्रमाणपत्र (यूसी) तत्काल प्रस्तुत किए जाएँ। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाएँ सीधे जनहित से जुड़ी हैं, अतः इनके क्रियान्वयन में पारदर्शिता, गुणवत्ता

एवं समयबद्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। प्रमुख सचिव ने बताया कि 15 नवम्बर को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती के अवसर पर पूरे राज्य में जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपरा और संस्कृति के संरक्षण हेतु विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रमुख सचिव ने कहा कि बिलासपुर जिले में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सम्मिलित होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। जिला स्तरीय कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस दिन सभी आश्रमों और छात्रावासों में विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे। राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम 19 एवं 20 नवम्बर को अंबिकापुर में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति महोदया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के आगमन की संभावना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा कई महत्वपूर्ण योजनाओं का शुभारंभ किया जाएगा। जिनमें बैगा, गुनिया, हड़जोड़ सम्मान योजना, मुख्यमंत्री जनजातीय ग्राम अखरा विकास योजना शामिल हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य पारंपरिक जनजातीय समाज को सामाजिक सम्मान, सांस्कृतिक संरक्षण और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ाना है। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने कॉलेजों के प्राचार्यों के साथ बैठक लेकर छात्रवृत्ति योजनाओं में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र विद्यार्थियों को समय पर छात्रवृत्ति का लाभ मिलना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि जरहाभाठा में 21.73 करोड़ की लागत से 300 सीटर अनुसूचित जाति बॉयज हॉस्टल बनाया जाएगा। इसके साथ ही 300 सीटों की क्षमता वाला गर्ल्स हॉस्टल बनाने की कार्ययोजना भी तैयार की जा रही है। इन अधोसंरचनात्मक कार्यों से छात्रों को सुरक्षित आवास, बेहतर शिक्षा वातावरण और सुविधाजनक संसाधन उपलब्ध कराए जा सकेंगे।

संपादकीय

भारत-अमेरिका रक्षा समझौता कई मायनों में महत्वपूर्ण

भारत की अहमियत को अमेरिका अच्छी तरह समझता है और दोनों देशों के रक्षा संबंधों पर अन्य विवादों का काई असर पड़ने वाला नहीं है।भारत और अमेरिका के बीच हुए नए रक्षा समझौते को कई मायनों में महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है, जब अमेरिका की ओर से भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए पचास फीसद शुल्क को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव पैदा हो गया था। मगर, रिश्तों में जमी मतभेदों की यह बर्फ अब पिघलती नजर आ रही है।पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान कि वे भारत के साथ व्यापार समझौता करने वाले हैं और फिर रक्षा सहयोग पर सहमति इस बात का संकेत है कि द्विपक्षीय संबंध फिर से पटरी पर लौट रहे हैं। यह कदम तमाम विरोधाभासों के बावजूद दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक सामंजस्य को भी दर्शाता है।अमेरिका ने भले ही दुनिया को दिखाने के लिए शुल्क नीति के जरिए भारत पर दबाव बनाने की कोशिश की हो, लेकिन वह बहुध्रुवीय होती वैश्विक व्यवस्था में भारत की भूमिका और प्रासंगिकता को नजरअंदाज नहीं कर सकता है। प्रस्तावित व्यापार समझौता हो या रक्षा सहयोग, जाहिर है इनमें दोनों देशों के हित निहित हैं। मसला सिर्फ इस बात का है कि हर पहलू पर द्विपक्षीय नजरिए का परस्पर सम्मान किया जाना चाहिए, तभी संबंधों पर प्रगाढ़ता का रंग चढ़ता है।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिका के उनके समकक्ष पीट हेगसेथ ने शुक्रवार को कुआलालंपुर में व्यापक वार्ता के बाद 'यूएस-इंडिया मेजर डिफेंस पार्टनरशिप फ्रेमवर्क' समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह करार अगले दस वर्षों के लिए है और इससे भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों के सभी आयामों को नीतिगत दिशा मिलने की उम्मीद है। इससे नई उच्च तकनीक तक भारत की पहुंच बढ़ेगी और दोनों देशों की सेना के बीच समन्वय की क्षमता में इजाफे के साथ रक्षा क्षेत्र में मिलकर काम करने के नए अवसर उपलब्ध होंगे।निश्चित रूप से यह दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक तालमेल का संकेत है और इस कदम से रक्षा साझेदारी के एक नए अध्याय का सूत्रपात होगा, जो मुक्त, खुला और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करने की दिशा में भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण साबित हो सकता है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन का दबदबा रहा है और वहां शक्ति संतुलन को लेकर भारत-अमेरिका के साथ कई देश मिलकर काम कर रहे हैं।इसमें दोराय नहीं कि भारत और अमेरिका हाल के वर्षों में अपने रक्षा संबंधों को बढ़ाने की दिशा में लगातार काम करते रहे हैं। इसी के तहत हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और अमेरिकी रक्षा कंपनी जीई एयरोस्पेस के बीच भारत में एफ 414 जेट इंजन के संयुक्त उत्पादन पर भी बातचीत हुई है।करीब एक दशक पूर्व अमेरिका ने भारत को 'प्रमुख रक्षा साझेदार' घोषित किया था, जिससे महत्त्वपूर्ण सैन्य उपकरणों और प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान का मार्ग प्रशस्त हुआ था।

महिला विश्व कप 2025 ने यह सिद्ध कर दिया कि अब भारत में खेल सिर्फ 'मैदान' तक सीमित नहीं, यह राष्ट्रीय चेतना और गौरव का हिस्सा बन चुका है। यह नारी स्वाभिमान, श्रम और संघर्ष की कहानी है। क्रिकेट अब केवल पुरुषों की लोकप्रियता का प्रतीक नहीं रहा, बल्कि महिलाओं की असाधारण योग्यता का उत्सव बन गया है। 2 नवंबर 2025 का रविवार भारतीय खेल जगत के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज हो गया। यह वह दिन था जब नवी मुंबई का डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकेडमी मैदान न केवल एक विश्व कप का साक्षी बना, बल्कि भारतीय महिला शक्ति की अजेय प्रतिभा और जज्बे का भी प्रमाण देखा। शेफाली वर्मा ने 87 रन की पारी खेल कर विश्वकप को भारत के नाम कराने में अमूल्य योगदान दिया। शेफाली की यह पारी आत्मविश्वास से भरी होने के साथ-साथ सनसनीखेज पारी रही। इसी के साथ स्मृति मंधाना ने अपना सर्वश्रेष्ठ देते हुए भारत के लिये सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बनी। उनकी टाइमिंग एवं कंवर ड्राइव ने सबका दिल जीत लिया। वैसे टीम का हर खिलाड़ी इस आश्चर्यकारी जीत के लिये बधाई का पात्र है। निश्चित ही भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला विश्व कप 2025 अपने नाम कर ऐसा इतिहास रचा, जो न केवल खेल का अध्याय है बल्कि सामाजिक परिवर्तन और नारी सशक्तिकरण की प्रेरक गाथा भी है। विश्व विजेता बनने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट की टीम की चर्चा दुनिया के हर कोने में हो रही है।

भारतीय महिला क्रिकेट- नई उड़ान, नई संभावना को सलाम

(ललित गर्ग)

यह जीत केवल एक ट्रॉफी भर नहीं, बल्कि उस नारी शक्ति का उद्घोष है जो वर्षों से अपने अस्तित्व को साबित करने में लगी थी। भारतीय बेटियों ने मैदान में यह दिखा दिया कि अब खेल सिर्फ पुरुषों का क्षेत्र नहीं रहा, यह वह मंच है जहां नारी की प्रतिभा, रणनीति, धैर्य और आत्मविश्वास अपनी सर्वश्रेष्ठ अभिव्यक्ति पा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह केवल क्रिकेट की जीत नहीं, बल्कि भारत की नारी शक्ति, परिश्रम और आत्मविश्वास की जीत है। सच भी यही है कि यह विजय भारत की नई महिला चेतना का प्रतीक है, वह चेतना जो अब हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ रही है। अब भारतीय महिलाओं को हाशिया नहीं, पूरा पृष्ठ चाहिए और यह बात उन्होंने इस ऐतिहासिक जीत को हासिल करके साबित किया है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार महिला वनडे विश्व कप अपने नाम कर ऐतिहासिक जीत हासिल की है। भारत और दक्षिण-अफ्रीका का फाइनल विश्व कप मैच सदा के लिए इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों के साथ अतीत के पन्नों में दर्ज हो गई है। हरमनप्रीत की कप्तानी में महिला क्रिकेट टीम ने यह यादगार जीत हासिल की है। इससे पहले मिताली राज की कप्तानी में महिला क्रिकेट टीम 2005 और 2017 में फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन यहां आकर ट्रॉफी हाथ से फिसल गई थी। भारतीय महिला टीम ने टॉस हारने के बाद भी बल्लेबाजी के लिए उतरी और 298 रन बनाए। साउथ अफ्रीक की टीम इस आंकड़े को छू नहीं पाई, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर 47 साल के इंतजार को खत्म किया। इस महान सफलता के पीछे आईसीसी अध्यक्ष जय शाह की दूरदर्शी नीतियों और नेतृत्व का भी बड़ा योगदान है। उनके कार्यकाल में महिला क्रिकेट को वह सम्मान और अवसर मिले जिसकी वह वर्षों से हकदार थी। जय शाह ने न केवल संरचनात्मक सुधार किए बल्कि महिला क्रिकेट के लिए आधारभूत ढांचे, सुविधाओं और प्रोत्साहन योजनाओं को नई दिशा दी। उन्होंने यह साबित कर दिया कि जब नेतृत्व में दृष्टि होती है, तो इतिहास बदलता है। इस विश्व कप में भारतीय खिलाड़ियों ने अपने खेल से दुनिया को चकित किया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जिस साहस और सूझबूझ से टीम का नेतृत्व किया, वह प्रेरणा का विषय है। उनके बल्ले से निकले हर रन ने नारी शक्ति की धुन गाई। स्मृति मंधाना की क्लासिकल बल्लेबाजी ने विपक्षी गेंदबाजों को बेहाल कर दिया, जबकि युवा खिलाड़ी शैफाली वर्मा की आक्रामकता ने नई पीढ़ी की ऊर्जा को स्वर दिया। गेंदबाजी में रेणुका ठाकुर और पूजा वस्त्राकर की सटीक लाइन-लेंथ ने टीम को हर

मुश्किल समय में संभाला, वहीं स्पिनर दीप्ति शर्मा ने अपनी जादुई गेंदों से विरोधियों के हौसले पस्त किए। इस टूर्नामेंट में भारत की फील्डिंग और फिटनेस भी अप्रतिम रही, जो यह दर्शाती है कि अब भारतीय महिला क्रिकेट केवल तकनीक नहीं, बल्कि रणनीति और समर्पण के सर्वोच्च मानकों पर खड़ी है। महिला क्रिकेट खिलाड़ी नवीन क्षमताओं की नई उड़ान भरते हुए हर मन की मुराद पूरी कर रही है। यह जीत केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय खेल संस्कृति में परिवर्तन की दिशा का प्रतीक है। आज भारत की बेटियां छोटे कस्बों और गाँवों से निकलकर विश्व मंच पर चमक रही हैं। यह उस सामाजिक परिवर्तन का परिणाम है जिसमें परिवार, समाज और सरकार ने नारी खेल प्रतिभा को अवसर देना शुरू किया है। महिला विश्व कप 2025 ने यह सिद्ध कर दिया कि अब भारत में खेल सिर्फ मैदान तक सीमित नहीं, यह राष्ट्रीय चेतना और गौरव का हिस्सा बन चुका है। यह नारी स्वाभिमान, श्रम और संघर्ष की कहानी है। क्रिकेट अब केवल पुरुषों की लोकप्रियता का प्रतीक नहीं रहा, बल्कि महिलाओं की असाधारण योग्यता का उत्सव बन गया है। भारत की यह जीत उस भविष्य की ओर इशारा करती है जहाँ खेल, लिंग भेद से परे, केवल प्रतिभा और परिश्रम के आधार पर सम्मान पाएगा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की यह ऐतिहासिक विजय केवल कप जीतने की कहानी नहीं है, यह उस भारत की घोषणा है जो अपनी बेटियों को आगे बढ़ाने का साहस रखता है। यह जीत हर उस लड़की की प्रेरणा है जो गली के मैदान में क्रिकेट बैट थामे सपना देखती है कि एक दिन वह भी भारत के लिए खेलेगी। यह स्वर्णिम विजय हमें यह संदेश देती है कि भारत की नारी अब हर क्षेत्र में खेल बदलने के लिए तैयार है। जय शाह जैसे सक्षम नेतृत्व और खिलाड़ियों की प्रतिभा से सुसज्जित यह टीम आने वाले समय में विश्व क्रिकेट का नया अध्याय लिखेगी, जहाँ हर शॉट में आत्मविश्वास होगा, हर गेंद में संकल्प, और हर जीत में भारत की बेटियों की दमकती मुस्कान। भारत की बेटियाँ अब सिर्फ खेल नहीं रही हैं बल्कि वे इतिहास रच रही हैं। देश पर छा रहे अनेकानेक उजालों के बीच महिला विश्व कप 2025 रूपी उजाला देशवासियों को प्रसन्नता का प्रकाश दे गया। संदेश दे गया कि देश का एक भी व्यक्ति अगर दृढ़ संकल्प से आगे बढ़ने की ठान ले तो वह शिखर पर पहुंच सकता है। विश्व को बौना बना सकता है। पूरे देश के निवासियों का सिर ऊंचा कर सकता है। महिलाओं की इस करिश्माई उपलब्धि के बाद अखबारों के शीर्ष में यह समाचार छपा और सबको लगा कि शब्द उन पृष्ठों से बाहर निकलकर नाच रहे हैं। भारतीय महिला खिलाड़ियों ने खिलाड़ीपन के लम्बे रन-अप को पल-पल जीया है। इस दौरान बहुत कुछ पीया है तभी वे विश्व विजेता बनी। वरना यहां तक पहुंचते-पहुंचते कईयों के घुटने घिस जाते हैं। एक बूंद अमृत पीने के लिए समुद्र पीना पड़ता है। सम्मान, पदवी, उपाधियां, अलंकरण बहुतों को मिलते हैं पर सही सीने पर सही तमगा और सही नाम के आगे सही सम्बोधन कभी-कभी लगता है। जैसा महिला विश्व कप 2025 की भारतीय महिला खिलाड़ियों के सीनों पर लगा है। जब भी कोई अर्जुन धनुष उठाता है, निशाना बांधता है तो करोड़ों के मन में एक संकल्प, एक एकाग्रता का भाव जाग उठता है और कई अर्जुन पैदा होते हैं। अपने देश में हर बल्ला उठाने वाला अपने को गावस्कर, तेंगुलकर विराट कोहली, रोहित समझता है, हर बॉल पकड़ने वाला अपने को कपिल-अर्शदीप, बुमराह समझता है। हॉकी की स्टिक पकड़ने वाला हर खिलाड़ी अपने को ध्यानचंद, हर टेनिस का रेकेट पकड़ने वाला अपने को रामानाथन कृष्णन समझता है। और भी कई नाम हैं, मिल्खा सिंह, पी.टी. उषा, प्रकाश पादुकोन, गीत सेठी, जो माप बन गये हैं खेलों की ऊंचाई के। दीप्ति आज माप बन गयी है और जो माप बन जाता है वह मनुष्य के उत्थान और प्रगति की श्रेष्ठ स्थिति है। यह अनुकरणीय है। जो भी कोई मूल्य स्थापित करता है, जो भी कोई पात्रता पैदा करता है, जो भी कोई सृजन करता है, जो देश का गौरव बढ़ाता है, जो गीतों में गाया जाता है, उसे सलाम। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को सलाम।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

रक्षा निर्यात ने बढ़ाया भारत पर दुनिया का भरोसा

(नवनीत सहगल)

आसियान शिखर सम्मेलन में फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर मार्कोस जूनियर द्वारा भारत की खुलकर प्रशंसा करना, तेजस एमके 1ए की पहली सफल उड़ान और 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल के उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद कई देशों का रक्षा सहयोग में रुचि दिखाना इस बात प्रमाण है कि भारत अब वैश्विक रक्षा परिदृश्य में निर्णायक शक्ति के रूप में उभर चुका है। यह परिवर्तन किसी संयोग का परिणाम नहीं, बल्कि मोदी सरकार के उन प्रयासों का प्रतिफल है, जिसने भारत को 'रक्षा आयातक' से 'रक्षा निर्यातक' बना दिया है। बीते एक दशक में भारत ने जिस आत्मविश्वास के साथ नीति-निर्माण और नवाचार को जोड़ा है, उसने देश की रणनीतिक दिशा ही बदल दी है। 2014 में जहां हमारा रक्षा उत्पादन 46,429 करोड़ रुपये था, वहीं 2023-24 में यह बढ़कर 1.27 लाख करोड़ रुपये हो गया। सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि रक्षा निर्यात में रही है, जो 1,941 करोड़ रुपये से बढ़कर 21,083 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह छलांग भारत के तकनीकी आत्मविश्वास और नीति-स्थिरता की कहानी कहती है। आज करीब 65 प्रतिशत रक्षा उपकरण देश में ही बनते हैं। रक्षा बजट में आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता देने हेतु 75 प्रतिशत राशि घरेलू खरीद के लिए आरक्षित की गई है। इससे न केवल देशी उद्योग को बल मिला है, बल्कि स्टार्टअप और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग) को भी रक्षा उत्पादन से सीधे जोड़ा गया है। प्रधानमंत्री ने हाल ही में ग्रेटर नोएडा इंटरनेशनल ट्रेड शो में कहा था कि आत्मनिर्भरता केवल उत्पादन में नहीं, बल्कि नवाचार में होनी चाहिए। इसी नजरिये से रक्षा अनुसंधान एवं विकास (आरऐंडडी) पर विशेष ध्यान दिया गया है। आरऐंडडी के लिए समर्पित करने की योजना इसी सोच का प्रमाण है। आज 'इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस' भारत के रक्षा क्षेत्र में परिवर्तन की धुरी बन चुका है। इस पहल के अंतर्गत अब तक 600 से अधिक डिफेंस-टेक स्टार्टअप उभरे हैं, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा और संचार प्रणालियों के लिए अत्याधुनिक समाधान विकसित कर रहे हैं। ये स्टार्टअप न केवल रक्षा कंपनियों के साथ सहयोग कर रहे हैं, बल्कि भारत को वैश्विक स्तर पर डिफेंस इनोवेशन हब के रूप में स्थापित भी कर रहे हैं। भारत की आत्मनिर्भरता केवल घर में सीमित नहीं है। विदेश नीति में भी यह आत्मविश्वास झलकता है। फ्रांस, ब्रिटेन, इटली और स्लोवाकिया जैसे देशों के साथ तकनीकी साझेदारियां भारत के रक्षा उद्योग को वैश्विक आपूर्ति शृंखला का अभिन्न हिस्सा बना रही हैं। फिलीपींस के राष्ट्रपति का यह कहना कि 'मनीला अब अपनी कई रक्षा चुनौतियों के समाधान के लिए भारत की ओर रुख करेगा' न केवल भारत की रक्षा तकनीक पर वैश्विक भरोसे को दर्शाता है, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की उभरती भूमिका को भी मजबूत करता है। ब्रह्मोस मिसाइल सौदे के बाद यह दूसरा बड़ा संकेत है कि दक्षिण-पूर्व एशिया के देश चीन पर निर्भर रहने के बजाय भारत को एक भरोसेमंद सुरक्षा भागीदार के रूप में देख रहे हैं। गौरतलब है कि भारत का रक्षा निर्यात अब 100 से अधिक देशों तक पहुंच चुका है। सरकार ने 2030 तक 50,000 करोड़ रुपये के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है, जो उसकी मौजूदा प्रगति को देखकर दूर नहीं लगता। 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' और 'डीप टेक फंड ऑफ फंड्स' जैसी पहलों ने एआई, रोबोटिक्स और सेमीकंडक्टर निर्माण में भारत को मजबूती दी है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता ने केवल सैन्य शक्ति नहीं बढ़ाई, बल्कि रोजगार व औद्योगिक विकास को भी गति दी है। रक्षा औद्योगिक गलियारे विशेष रूप से उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में हजारों एमएसएमई को रक्षा आपूर्ति शृंखला में जोड़ रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि देश में अब तक 500 से अधिक रक्षा और एयरोस्पेस कंपनियां प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से रक्षा विनिर्माण में जुड़ी हैं। 2030 तक भारत का लक्ष्य तीन लाख करोड़ रुपये का रक्षा उत्पादन और 50 हजार करोड़ रुपये का निर्यात है। जाहिर है, ये सब केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि एक आत्मनिर्भर भारत के आत्मविश्वास की झलक हैं। (लेखक चेयरमैन, प्रसार भारती)(ये लेखक के अपने विचार हैं)

गुरु नानक का प्रकाश पर्व- हर युग के अंधकार को मिटाने वाला संदेश

(योगेश कुमार गोयल)

गुरु नानक का विवाह 19 वर्ष की आयु में गुरदासपुर के मूलचंद खत्री की पुत्री सुलखनी के साथ हुआ किन्तु धार्मिक प्रवृत्ति के नानक को गृहस्थाश्रम रास नहीं आया और वे सांसारिक मायाजाल से दूर रहने का प्रयास करने लगे। पिता ने उन्हें व्यवसाय में लगाना चाहा किन्तु व्यवसाय में भी उनका मन न लगा।

सिख धर्म के आदि संस्थापक और सिखों के पहले गुरु हैं गुरु नानक देव, जो केवल सिखों में ही नहीं वरन् अन्य धर्मों में भी उतने ही सम्माननीय हैं। उनका जन्म तलवंडी (जो भारत-पाक बंटवारे के समय पाकिस्तान में चला गया) में सन् 1469 में हुआ था। प्रतिवर्ष कार्तिक मास की पूर्णिमा को गुरु नानक जयंती मनाई जाती है, जिसे 'प्रकाश पर्व' भी कहा जाता है और इस बार 5 नवम्बर को गुरु नानक का 556वां प्रकाश पर्व मनाया जा रहा है। हालांकि अब तक इसका कारण ज्ञात नहीं है कि गुरु नानक जयंती किसी एक निर्धारित तिथि को न मनाकर कार्तिक मास की पूर्णिमा को ही क्यों मनाई जाती है? नानक जब केवल पांच साल के थे, तभी धार्मिक और आध्यात्मिक वार्ताओं में गहन रूचि लेने लगे थे। अपने साथियों के साथ बैठकर वे परमात्मा का कीर्तन करते और अकेले में घंटों कीर्तन में मग्न रहते। दिखावे से कोसों दूर वे यथार्थ में जीते थे। जिस कार्य में उन्हें दिखावे अथवा प्रदर्शन का अहसास होता, उसकी वास्तविकता जानकर वे विभिन्न सारगर्भित तर्कों द्वारा उसका खंडन करने की कोशिश करते।

नानक जब 9 वर्ष के हुए तो उनके पिता कालूचंद खत्री, जो पटवारी थे और खेती-बाड़ी का कार्य भी करते थे, ने उनका यज्ञोपवीत संस्कार कराने के लिए पुरोहित को बुलाया। पुरोहित ने यज्ञोपवीत पहनाने के लिए नानक के गले की ओर हाथ बढ़ाया तो नानक ने उनका हाथ पकड़कर पूछा कि आप यह क्या कर रहे हैं और इससे क्या लाभ होगा? पुरोहित ने कहा कि बेटे, यह जनेऊ है, जिसे पहनने से मोक्ष की प्राप्ति होती है और इसे पहने बिना मनुष्य शूद्र की श्रेणी में रहता है। तब नानक ने उनसे पूछा कि पुरोहित जी, सूत का बना यह जनेऊ मनुष्य को भला मोक्ष कैसे दिला सकता है क्योंकि मनुष्य का अंत होने पर जनेऊ तो उसके साथ परलोक में नहीं जाता। नानक के इन शब्दों से सभी व्यक्ति बहुत प्रभावित हुए और आखिरकार पुरोहित को कहना पड़ा कि बेटा, तुम सत्य कह रहे हो, वास्तव में हम अंधविश्वासों में डूबे हैं। गुरु नानक का विवाह 19 वर्ष की आयु में गुरदासपुर के मूलचंद खत्री की पुत्री सुलखनी के साथ हुआ किन्तु धार्मिक प्रवृत्ति के नानक को गृहस्थाश्रम रास नहीं आया और वे सांसारिक मायाजाल से दूर रहने का प्रयास करने लगे। पिता ने उन्हें व्यवसाय में लगाना चाहा किन्तु व्यवसाय में भी उनका मन न लगा। एक बार पिता ने कोई काम-धंधा शुरू करने के लिए उन्हें कुछ धन दिया लेकिन नानक ने सारा धन साधु-संतों और जरूरतमंदों में बांट दिया और एक दिन घर का त्याग कर परमात्मा की

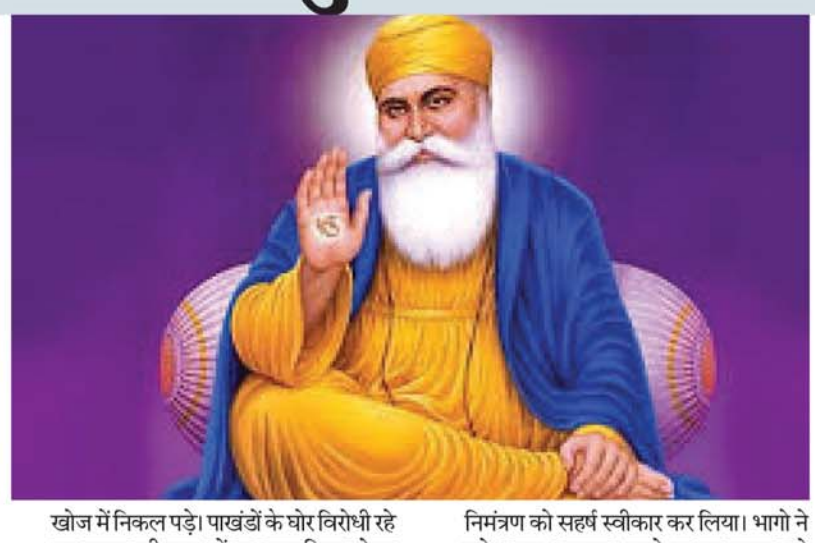

खोज में निकल पड़े। पाखंडों के घोर विरोधी रहे गुरु नानक की यात्राओं का वास्तविक उद्देश्य लोगों को परमात्मा का ज्ञान कराना किन्तु बाह्य आडम्बरों एवं पाखंडों से दूर रखना ही था। वे सदैव छोटे-बड़े का भेद मिटाने के लिए प्रयासरत रहे और उन्होंने निम्न कुल के समझे जाने वाले लोगों को सदैव उच्च स्थान दिलाने के लिए प्रयास किया। गुरु नानक को एक बार भागो मलिक नामक एक अमीर ने भोजन के लिए अपने घर आमंत्रित किया लेकिन नानक जानते थे कि वह गरीबों पर बहुत अत्याचार करता है, इसलिए उन्होंने भागो का निमंत्रण स्वीकार नहीं किया और एक मजदूर के निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार कर लिया। भागो ने इसे अपना अपमान मानते हुए गुरु नानक को खूब खरी-खोटी सुनाई तथा अपमानजनक शब्द कहे लेकिन नानक ने सरल शब्दों में उसे कहा कि तेरी कमाई पाप की कमाई है जबकि इस मजदूर की कमाई मेहनत की कमाई है। भागो यह सुनते ही भड़क उठा और गुस्से में फुफकारते हुए कहने लगा कि तुम अव्वल दर्जे के पाखंडी और नीच कुल के हो, तभी तो नीच कुल वालों का ही निमंत्रण स्वीकार करते हो। इस पर गुरु नानक ने जवाब दिया कि मैं वह भोजन कदापि ग्रहण नहीं कर सकता, जो गरीबों का खून चूसकर तैयार किया गया हो। भागो ने गुस्से से उबलते हुए सवाल किया कि मेरे स्वादिष्ट व्यंजनों से तुम्हें खून निकलता दिखाई देता है और उस मजदूर की बासी रोटियों से ...? ''दूध। और अगर तुम्हें विश्वास न हो तो स्वयं आजमाकर देख लो।'' नानक ने कहा। घमंड व क्रोध से सराबोर भागो ने अपने घर से स्वादिष्ट व्यंजन मंगवाए और नानक ने उस मजदूर के घर से बासी रोटी। तब नानक ने एक हाथ में भागो के स्वादिष्ट व्यंजन लिए और दूसरे में मजदूर के घर की बासी रोटी और दोनों हाथों को एक साथ दबाया। जब वहां उपस्थित लोगों ने देखा कि मजदूर की बासी रोटी से दूध की धार निकल रही है जबकि भागो के स्वादिष्ट व्यंजनों से खून की धार तो उनके आश्चर्य का ठिकाना न रहा। यह देख भागो का अहंकार चूर-चूर हो गया और वह गुरु नानक के चरणों में गिरकर क्षमा याचना करने लगा। गुरु नानक एक बार हरिद्वार पहुंचे तो उन्होंने देखा कि बहुत से लोग गंगा में स्नान करते समय अपनी अंजुली में पानी भर-भरकर पूर्व दिशा की ओर उलट रहे हैं। उन्होंने विचार किया कि लोग किसी अंधविश्वास के कारण ऐसा कर रहे हैं। तब उन्होंने लोगों को वास्तविकता का बोध कराने के उद्देश्य से अपनी अंजुली में पानी भर-भरकर पश्चिम दिशा की ओर उलटना शुरू कर दिया। जब लोगों ने काफी देर तक उन्हें इसी प्रकार पश्चिम दिशा की ओर पानी उलटते देखा तो उन्होंने पूछ ही लिया कि भाई तुम कौन हो और पश्चिम दिशा में जल देने का तुम्हारा क्या अभिप्राय है? नानक ने उन्हीं से पूछा कि पहले आप लोग बताएं कि आप पूर्व दिशा में पानी क्यों दे रहे हैं? लोगों ने कहा कि वे अपने पूर्वजों को जल अर्पित कर रहे हैं ताकि उनकी प्यासी आत्मा को तृप्ति मिल सके। इस पर नानक ने पूछा कि तुम्हारे पूर्वज हैं कहां? लोगों ने जवाब दिया कि वे परलोक में हैं लेकिन तुम पश्चिम दिशा में किसे पानी दे रहे हो? गुरु नानक बोले कि यहां से थोड़ी दूर मेरे खेत हैं। मैं यहां से अपने उन्हीं खेतों में पानी दे रहा हूं। लोग आश्चर्यचकित होकर पूछने लगे, ''खेतों में पानी! पानी खेतों में कहां जा रहा है? यह तो वापस गंगा में ही जा रहा है और यहां पानी देने से आपके खेतों में पानी जा भी कैसे सकता है?'' गुरु नानक ने उनसे पूछा कि यदि पानी नजदीक में ही मेरे खेतों तक नहीं पहुंच सकता तो इस प्रकार आप द्वारा दिया जा रहा जल इतनी दूर आपके पूर्वजों तक कैसे पहुंच सकता है? लोगों को अपनी गलती का अहसास हुआ और वे गुरु जी के चरणों में गिरकर प्रार्थना करने लगे कि उन्हें सही मार्ग दिखलाएं ताकि जिससे उन्हें परमात्मा की प्राप्ति हो सके। गुरु नानक सदैव मानवता के लिए जीए और जीवनपर्यन्त शोषितों व पीड़ितों के लिए संघर्षरत रहे। उनकी वाणी को लोगों ने परमात्मा की वाणी माना और इसीलिए उनकी यही वाणी उनके उपदेश एवं शिक्षाएं बन गई। ये उपदेश किसी व्यक्ति विशेष, समाज, सम्प्रदाय अथवा राष्ट्र के लिए ही नहीं बल्कि चराचर जगत एवं समस्त मानव जाति के लिए उपयोगी हैं। (लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संकट में शिक्षा का संकल्प

शिक्षक ने जान जोखिम में डाल, उफनती नदी पार कर बच्चों तक पहुंचाई टेबल-कुर्सियां

भानुप्रतापपुर। जिले के अंदरूनी इलाकों में शिक्षा की लौ को जलाए रखने के लिए शिक्षक किस हद तक जा सकते हैं, इसकी एक अविस्मरणीय मिसाल कोयलीबेड़ा ब्लॉक की प्राथमिक शाला कंदाड़ी में देखने को मिली। जहाँ पुल और सुविधाओं के अभाव में सरकारी अमला अक्सर हाथ खड़े कर देता है, वहीं इस स्कूल के शिक्षक अरविंद नागेश ने स्कूल के दो सफाई कर्मी सुकलु राम जाड़े, मैनु राम कचलामी के साथ अपने फर्ज को निभाने के लिए उफनती कोटरी नदी को पार कर, बच्चों के लिए आवश्यक फर्नीचर पहुँचाया। बारिश के मौसम में कंदाड़ी के प्राथमिक शाला के लिए आवश्यक फर्नीचर नदी पार के गाँव में पहुँचाना था। पुल न होने के कारण यह इलाका मानसून में कई हफ्तों तक संपर्कहीन हो जाता है। शिक्षक अरविंद नागेश ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद असाधारण साहस का परिचय दिया। बिना किसी विशेष संसाधन के, उन्होंने लकड़ी की छोटी नाव का उपयोग

किया और उस पर टेबल-कुर्सियाँ लादकर खतरे से भरी कोटरी नदी को पार किया।स्थानीय ग्रामीणों ने इस दृश्य को देखकर शिक्षक के जज्बे को सलाम किया। एक ग्रामीण ने कहा, यह सिर्फ समर्पण का नहीं, बल्कि 'जिम्मेदारी की मिसाल' थी। जहाँ सरकारी कर्मी अक्सर सुविधा खोजते हैं, वहीं ये शिक्षक जान का जोखिम लेकर सेवा ढूँढ रहे थे। बस्तर के बच्चों की उम्मीद और सफलता - शिक्षक अरविंद नागेश का यह कार्य केवल कंदाड़ी स्कूल की कहानी नहीं है, बल्कि यह उन सैकड़ों बच्चों की उम्मीद का प्रतीक है जो आज भी पुल, सड़क और सुविधा के अभाव में पढ़ाई कर रहे हैं। जिले में ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं, जहाँ बच्चों ने विपरीत परिस्थितियों को हराकर बोर्ड परीक्षा में टॉप-10 में स्थान पाकर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। यह घटना साबित करती है कि अगर शिक्षक का संकल्प मजबूत हो, तो कोई भी बाधा शिक्षा के मार्ग को रोक नहीं सकती। नक्सल क्षेत्र के कंदाड़ी प्राथमिक शाला में एक शिक्षक के भरोसे नौनिहालों का भविष्य - जहां एक ओर प्रदेश में शिक्षा के प्रसार के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, वहीं प्राथमिक शाला कंदाड़ी की सच्चाई इन दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र में स्थित यह स्कूल, केवल एक शिक्षक अरविंद नागेश के भरोसे संचालित हो रहा है, जो रोज अपनी जान जोखिम में डालकर बच्चों के भविष्य को संवारने का कठिन प्रयास कर रहे हैं। नाव के सहारे नदी पार करने की मजबूरी - शिक्षक अरविंद नागेश ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया कि उन्हें प्रतिदिन नाव के सहारे उफनती नदी पार करके स्कूल पहुंचना पड़ता है। यह यात्रा न केवल दुर्गम है, बल्कि जानलेवा भी साबित हो सकती है। उन्होंने बताया, रोजाना जान जोखिम में डालकर नाव के सहारे नदी पार कर स्कूल पहुंचते हैं। बारिश में स्कूल में रात गुजारने की नौबत - मौसम की मार और विपरीत परिस्थितियां भी उनकी राह में बाधा डालती हैं। नागेश जी के अनुसार, ज्यादा बारिश होने के कारण कई बार उन्हें वापस लौटना मुश्किल हो जाता है और मजबूरन उन्हें स्कूल में ही रात गुजारनी पड़ती है। स्कूल में शिक्षकों की कमी का मुख्य कारण यह क्षेत्र का नक्सल प्रभावित होना है। शिक्षक अरविंद नागेश ने बताया कि, नक्सल क्षेत्र होने के कारण कोई दूसरा शिक्षक भी इस स्कूल में आना नहीं चाहते हैं।

एक शिक्षक पर पूरा भार, बच्चों का भविष्य अधर में - इस विषम परिस्थिति में, शिक्षक अरविंद नागेश अकेले ही पूरी प्राथमिक शाला की जिम्मेदारी उठा रहे हैं नदी पार करने की कठिनाई, नक्सल का डर और अकेलेपन की चुनौती के बावजूद, वह शिक्षा की अलख जगाए हुए हैं। हालांकि, एक शिक्षक के लिए सभी कक्षाओं को संभालना और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना एक अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य है, जो कहीं न कहीं इन नौनिहालों के भविष्य को अधर में लटका रहा है।

प्रशासन से गुहार

स्थानीय ग्रामीणों और शिक्षक नागेश ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि वह तुरंत इस प्राथमिक शाला में अतिरिक्त शिक्षकों की नियुक्ति करे और शिक्षक को स्कूल तक पहुंचने के लिए सुरक्षित मार्ग व पुल की व्यवस्था सुनिश्चित करे, ताकि इन बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके और शिक्षक अपनी जान जोखिम में डाले बिना राष्ट्र निर्माण के इस कार्य को जारी रख सकें।

वर्ष 2025 से धान खरीदी का उप केंद्र ग्राम कबोंगा में संचालित करने की मांग

कोण्डागांव। अखिल भारतीय किसान महासभा जिला कोण्डागांव, छत्तीसगढ़ के द्वारा धान खरीदी का उप केंद्र ग्राम कबोंगा में संचालित करने विषयक तथा महामहिम राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन को सम्बोधित ज्ञापन, द्वारा कलेक्टर जिला कोण्डागांव को दिनेश मरकाम जिला अध्यक्ष, किसान नेता अर्जुन नेताम के नेतृत्व में सरादू सोढ़ी, छबीलाल नेताम, पुनउराम सोरी, राजू वट्टी, शिवराम सोरी, नन्दू नेताम, सिरनाथ बघेल, दुआरु नेताम, मानकू नेताम, बालसाय नेताम, सुरज नेताम, बिरसिंग बघेल, दशरथ नेताम आदि सैकड़ों किसानों की उपस्थिति में तहसीलदार कोण्डागांव को सौंपा गया है। सैकड़ों की संख्या में किसानों के द्वारा एक दिवसीय धरना प्रदर्शन डी एन के मैदान में करके सौंपे गए ज्ञापन में लेख किया गया है कि हम सभी किसान ग्राम कबोंगा, कोसागांव, हांथी पखना, सिरसी कलार, कुम्हार बड़गांव सहित अन्य ग्रामों के किसान हैं और अखिल भारतीय किसान महा सभा शाखा जिला कोण्डागांव, छत्तीसगढ़ से जुड़े हैं। हम सभी किसान वर्ष 2022-23 से, किसानों के हितों एवं सुविधाओं को ध्यान में रखकर धान खरीदी का उप केंद्र ग्राम कबोंगा में संचालित किए जाने का निवेदन निरंतर शासन-प्रशासन से करते आ रहे हैं। यह भी कि हम किसानों के निवेदन पर ग्राम कबोंगा में धान खरीदी का उप केंद्र संचालन के लिए तत्कालीन केशकाल विधायक द्वारा भी अनुशंसा कर दिया गया था।

बैलाडीला व्यापारी कल्याण संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम संपन्न

किरंदुल। लौहनगरी किरंदुल में बैलाडीला व्यापारी कल्याण संघ का किरंदुल के छत्तीसगढ़ भवन में 03 नवम्बर को मतदान प्रणाली से मतदान प्रक्रिया संपन्न हुई थीं। जिसमें अध्यक्ष पद पर संदीप साव तथा सचिव पद पर साहिल राम छलिवाल एवं कोषाध्यक्ष पद पर के रघु ने जीत हासिल की थी। उपाध्यक्ष पद पर अनिशा प्रदीप शंकरन तथा सुभाष हलदर तथा सहसचिव पद पर बप्पी मजूमदार तथा संदीप गुप्ता ने जीत हासिल की थीं। छत्तीसगढ़ भवन में बैलाडीला व्यापारी कल्याण संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ।

शपथ ग्रहण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में किरंदुल पालिकाध्यक्ष रूबी सिंह, भाजपा नेता रामबाबू सिंह गौतम, किरंदुल परियोजना के सहायक महाप्रबंधक अजय बाघे, सीएमओ शशि भूषण महापात्रा, बचेली पालिका उपाध्यक्ष सतीश प्रेम चंदानी, आर्सेलर मित्तल के उप महाप्रबंधक डॉ तेजप्रकाश, किरंदुल पालिका उपाध्यक्ष बबलू सिद्दीकी अतिथियों के रूप में मौजूद रहें। इस दौरान सभी सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, राजनेतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों की विशेष उपस्थिति रहीं।

कोडेकुर्से में शव दफनाने को लेकर विवाद गहराया : तीन दिन तक टकराव के बाद शव रायपुर ले जाया गया

भानुप्रतापपुर। विकासखंड दुर्गूकोंदल के ग्राम कोडेकुर्से में ईसाई धर्म अपना चुके युवक मनोज निषाद के निधन के बाद उनके अंतिम संस्कार को लेकर बीते तीन दिनों से गहरा विवाद बना हुआ है। गांव में शव दफनाने को लेकर दो समुदाय आमने-सामने हो गए थे, जिसके चलते तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। ईसाई समुदाय व मृतक के परिवार और ईसाई समुदाय के लोग शव को गांव के कब्रिस्तान में ईसाई रीति-रिवाजों के अनुसार दफनाने पर अड़े हुए थे। उनका तर्क है कि मृतक जीवनभर इसी धर्म और समाज का हिस्सा रहा। वहीं दूसरी ओर, ग्रामीणों ने गांव की परंपरा और सामाजिक व्यवस्था का हवाला देते हुए ईसाई रीति से दफनाने का कड़ा विरोध किया। उनका कहना था कि मृतक भले ही धर्मांतरित हो गया हो, पर गांव की परंपरा इसकी अनुमति नहीं देती।

प्रशासनिक हस्तक्षेप रहा विफल

स्थिति तनावपूर्ण होते देख प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस बल और स्थानीय जनप्रतिनिधि तुरंत मौके पर पहुंचे और शांति स्थापित करने का प्रयास किया। प्रशासन ने दोनों पक्षों के बीच कई दौर की बातचीत की ताकि कोई सर्वसम्मत समाधान निकल सके, लेकिन सहमति नहीं बन पाई। चारामा में भी नहीं हो सका अंतिम संस्कारः अंततः, ईसाई समुदाय शव को चारामा कब्रिस्तान ले जाने के लिए सहमत हुआ, लेकिन वहां भी आपसी असहमति और अनुमति संबंधी दिक्कतों के कारण अंतिम संस्कार संभव नहीं हो सका। लगातार तीन दिनों तक चले टकराव के बाद भी कोई अंतिम समाधान नहीं निकल पाया, जिससे गांव में असहजता और तनाव व्याप्त है।

शव को रायपुर ले जाया गया

ताजा जानकारी के अनुसार, ईसाई समुदाय अब शव को रायपुर ले जा रहा है। समुदाय का मानना है कि वहां धार्मिक परंपराओं के अनुसार अंतिम संस्कार किया जा सकेगा।

सुरक्षा और शांति व्यवस्थाः प्रशासन पूरे मामले पर कड़ी निगरानी बनाए हुए है और गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है, साथ ही किसी भी प्रकार की अफवाह से दूर रहने की हिदायत दी है।

दोनों पक्षों का मत

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यह विवाद किसी धर्म या व्यक्ति विशेष से नहीं, बल्कि ग्राम की परंपरा और सामुदायिक शांति बनाए रखने से संबंधित है।

ईसाई समुदाय का कहना है कि मृतक जीवनभर उनके धर्म में रहा, इसलिए उसका अंतिम संस्कार भी उसी रीति से होना चाहिए।

जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' का किया सामूहिक गान

कोण्डागांव। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिले की सभी शासकीय कार्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थाओं में सामूहिक राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम गायन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उदबोधन का सीधा प्रसारण किया गया। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, जनपद अध्यक्ष अनीता कोर्राम, उपाध्यक्ष टोमेन्द्र ठाकुर सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं विद्यालयीन छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' का सामूहिक गायन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष पटेल ने कहा कि आज से 150 वर्ष पहले बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय ने 'वंदे मातरम' की रचना की थी, जो कि एक गीत ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय चेतना और गौरव का प्रतीक है। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को इस गीत ने नई ऊर्जा दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो विकसित भारत की संकल्पना की है।

दो माह से सोलर पंप खराब : कलंगपुरी में गहराया पेयजल संकट, ग्रामीण तालाब का पानी पीने को मजबूर

भानुप्रतापपुर। दुर्गूकोंदल विकासखंड अंतर्गत ग्राम कलंगपुरी में पिछले दो महीने से सोलर पंप खराब होने के कारण ग्रामीण गंभीर पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं। पंप की मरम्मत न होने और कोई वैकल्पिक व्यवस्था न होने के कारण गांव में पीने के पानी की समस्या विकराल रूप ले चुकी है। ग्रामीणों ने बताया कि सोलर पंप को रिपेयरिंग के लिए ले जाए हुए लगभग दो महीने बीत चुके हैं, लेकिन यह अभी तक गांव में वापस नहीं पहुँचा है। गाँव में पीने योग्य पानी का कोई दूसरा उचित विकल्प मौजूद नहीं है; हैंडपंप भी पर्याप्त पानी नहीं दे रहे हैं। गर्मी बढ़ने के साथ ही तालाब का जलस्तर भी कम हो रहा है, जिससे जलजनित रोगों के फैलने की आशंका और बढ़ गई है। गांव के बुजुर्गों का कहना

है कि पहले कभी ऐसी स्थिति नहीं बनी थी कि पेयजल संकट महीनों तक बना रहे। शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई - ग्राम पंचायत कलंगपुरी के सरपंच श्री सियाराम मंडावी ने बताया कि सोलर पंप खराब होने की सूचना क्रेडा विभाग को दी गई थी और व्हाट्सएप पर भी शिकायत दर्ज कराई गई है। सरपंच मंडावी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि शिकायत के बावजूद न तो पंप की मरम्मत हुई है और न ही कोई वैकल्पिक इंतजाम किया गया है। उन्होंने प्रशासन से समस्या की गंभीरता को समझते हुए तत्काल समाधान की दिशा में कदम उठाने की अपील की है। शीघ्र समाधान की मांग - परेशान ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से शीघ्र सोलर पंप की मरम्मत कर गांव में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की है। साथ ही, भविष्य में पेयजल संकट से बचाव हेतु स्थायी समाधान पर भी विचार करने की अपील की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया, तो गांव में बीमारियों का खतरा और बढ़ सकता है।

वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पर 188वीं बटालियन सीआरपीएफ कोण्डागांव में विशेष समारोह आयोजित

कोण्डागांव। सीआरपीएफ 188वीं बटालियन के मुख्यालय परिसर में राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार देशभक्ति, एकता और त्याग की भावना को पुनः जागृत करने के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम के दौरान वन्दे मातरम् का सामूहिक गायन बटालियन के कमांडेंट भवेश चौधरी के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी और जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समूह गान से पूर्व अपने संबोधन में कमांडेंट चौधरी ने कहा कि, वन्दे मातरम् केवल एक राष्ट्रीय गीत नहीं, बल्कि

राष्ट्र की आत्मा है। इसे बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने वर्ष 1875 में रचा था, जिसने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हर भारतीय के मन में देशभक्ति की ज्वाला प्रज्वलित की। इस गीत ने स्वतंत्रता सेनानियों को प्रेरित किया और मातृभूमि के लिए सर्वस्व अर्पित करने की भावना को जन्म दिया।

उन्होंने कहा, यह गीत हमें मातृभूमि के प्रति प्रेम, त्याग और समर्पण की प्रेरणा देता है।

बस्तर में उद्यानिकी कृषि में आए चमत्कारिक बदलाव

बंदूक की गूंज से फलों और फूलों की महक तक का सफर

जगदलपुर। बस्तर, जो कभी नक्सल की काली छाया और पिछड़ेपन की गहरी खाई में डूबा माना जाता था, आज कृषि के क्षेत्र में एक चमत्कारिक परिवर्तन का साक्षी बन रहा है। छत्तीसगढ़ के इस आदिवासी बहुल इलाके में अब टमाटर और मिर्च की खेती न केवल आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही है, बल्कि पड़ोसी राज्यों के बाजारों तक अपनी पहुंच बना चुकी है। लेकिन असली आश्चर्य यह है कि अब बस्तर की मिट्टी में ड्रैगन फरूट की लालिमा, अमरूद की मिठास, चकोतरा की ताजगी, पपीते का रस और मिर्च की तीखापन लहलहा रही है। वे फल एवं मसाले जो कभी यहां की कल्पना से परे थे। यह बदलाव कोई संयोग नहीं, बल्कि मेहनत, नवाचार और दूरदर्शिता का परिणाम है। वर्ष 2001-02 में सब्जियों की खेती महज 1,839 हेक्टेयर में सिमटी थी और उत्पादन केवल 18,543 मीट्रिक टन था। आज वही हरियाली 12,340 हेक्टेयर तक फैल चुकी है और 1,90,180 मीट्रिक टन की सुनहरी फसल दे रही है। फूलों की बगिया 643 हेक्टेयर से बढ़कर 14,420 हेक्टेयर तक पहुंच गई है, जिसका उत्पादन 4,457 मीट्रिक टन से उछलकर 64,712 मीट्रिक टन हो गया। जहां कभी फूलों की खेती शून्य थी, वहां आज 207 हेक्टेयर में 1,313 मीट्रिक टन सुगंध बिखर रही है। मसाले 335 हेक्टेयर से 1,189 हेक्टेयर तक फैले हैं और 9,327 मीट्रिक टन का स्वाद दे रहे हैं। औषधीय एवं सुगंधित पौधे भी शून्य से शुरू होकर 667 हेक्टेयर में 6,673 मीट्रिक टन तक पहुंचकर स्वास्थ्य और खुशबू का खजाना बन गए हैं। इस हरित क्रांति की जड़ें आधुनिक तकनीक में गहरी पैठी हैं। जिले में 03 लाख 80 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में शेडनेट हाउस खड़े किए गए हैं, जिनके नीचे 160 से अधिक किसान मौसम की मार से सुरक्षित होकर फसल उगा रहे हैं। करीब 19 हजार वर्गमीटर में पॉली हाउस चमक रहे हैं, जहां उच्च गुणवत्ता वाली सब्जियां और फ्ल पनप रहे हैं। शेडनेट के अंदर ही 56 किसान एक लाख 47 हजार वर्गमीटर में हाईब्रिड बीज तैयार कर रहे हैंकृएक ऐसी आत्मनिर्भरता जो बस्तर को बीज उत्पादन का केंद्र बना रही है। जगदलपुर के आसना में 2018-19 में स्थापित प्लग टाइप वेजिटेबल सीडलिंग यूनिट रोग-मुक्त पौधे न्यूनतम कीमत पर किसानों तक पहुंचा रही है। सिंचाई के मोर्चे पर भी क्रांति आई है। लगभग 3,536 हेक्टेयर में ड्रिप इरिगेशन सिस्टम बिछाकर पानी की हर बूंद को सोना बनाया जा रहा है। ऑयल पाम योजना के तहत 735 हेक्टेयर में 499 किसानों के खेत हरे-भरे हो चुके हैं। बास्तानार विकासखंड में 58.64 हेक्टेयर में कॉफी की सुगंधित छांव फैल रही है, जबकि 20 हेक्टेयर में ड्रैगन फरूट की फसल बाजार में नई चमक ला रही है। बस्तर की यह यात्रा आंकड़ों से कहीं आगे है। यह उन सैकड़ों किसानों की मुस्कान है, जो कभी बादलों के रहम पर जीते थे और आज तकनीक, प्रशिक्षण और सरकार की योजनाओं के सहारे अपने सपने बुन रहे हैं। माओवादियों की बंदूकें अब खामोश हैं, और खेतों में नई फसलें गुनगुना रही है। बस्तर के लोग अब आजीविका के समुचित साधनों के जरिए जीवन-यापन को बेहतर करने सहित खिलखिला रह रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

सद्भावना वर्ष में परोपकार की मिसाल-131 नन्हें बच्चों को स्वेटर वितरण

मैनपाट। तिब्बती समुदाय के सर्वोच्च धर्मगुरु एवं नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित महामहिम दलाई लामा के 90 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में तिब्बती समाज द्वारा वर्ष 2025 को सद्भावना वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में कैंप क्रमांक-06 के लोबसंग (84 वर्ष) एवं उनकी धर्मपत्नी तेनजिन (82 वर्ष) द्वारा संकुल केंद्र सरभंजा अंतर्गत संचालित विद्यालयों के बच्चों को स्वेटर वितरण किया गया। स्वेटर वितरण के दौरान- प्राथमिक शाला सरभंजा के 80, प्राथमिक शाला ललेया के 39, प्राथमिक शाला सराईकिरचा के 12, सहित कुल 131 बच्चों को स्वेटर प्रदान किए गए। स्वेटर प्राप्त होने पर बच्चों के चेहरों पर उल्लास और प्रसन्नता स्पष्ट झलक रही थी। तिब्बती समाज ने इस वर्ष को स्नेह, मानवता, परोपकार और सांझा सद्भाव के कार्यों को समर्पित करने का संकल्प लिया है, जिसके अंतर्गत यह पहल एक प्रेरणादायी उदाहरण बनी। संकुल समन्वयक के.के. घोष ने तिब्बती समाज के इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और इसे मानवीय संवेदनशीलता एवं सामाजिक एकता का उत्कृष्ट स्वरूप बताया। इस पुण्य कार्य में लोबसंग की पुत्री नूरसे दावा का भी विशेष योगदान रहा।

वंदे मातरम् के 150वीं वर्षगांठ पर स्वामी विवेकानंद विद्या मंदिर, बेलतरा में विशेष कार्यक्रम आयोजित

बिलासपुर- छत्तीसगढ़ शासन संस्कृति विभाग के निर्देशानुसार वंदे मातरम् के 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में स्वामी विवेकानंद विद्या मंदिर, बेलतरा में दिनांक 07 नवम्बर 2025 को एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय में प्रोजेक्टर के माध्यम से बच्चो को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का कार्यक्रम दिखाया गया एवं वंदे मातरम् के सामूहिक गायन से हुआ। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि गण विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों द्वारा वंदे मातरम् पर आधारित चित्रकला एवं रंगोली प्रस्तुत किए गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के संदेश का प्रसारण विद्यालय में सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों, अभिभावकों ने सामूहिक रूप से देखा तथा उनके साथ वंदे मातरम् का गायन किया। इस दौरान विद्यालय परिसर में देशभक्ति का माहौल गूंज उठा। कार्यक्रम में वंदे मातरम् गीत के ऐतिहासिक महत्व एवं राष्ट्रप्रेम की भावना पर प्रकाश डाला गया। विद्यार्थियों को बताया गया कि यह गीत हमारे स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा का स्रोत रहा है। कार्यक्रम में रामरतन कौशिक, ईश्वरी कौशिक, अशोक तिवारी, नागेश्वर बैशवाड़े, गगन कौशिक, डुलेस्वर भारती, शुभम, विवेक, संगीता, प्रिया, पूर्णिमा, आशी, वर्षा, आकांक्षा, शांति, दीप्ति, साधना उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

कल्चुरी कलार समाज के सम्मेलन में शामिल हुए मुख्यमंत्री

रतनपुर में 100 बिस्तर अस्पताल एवं 1 करोड़ की लागत से सामुदायिक भवन बनाने की घोषणा-सीएम विष्णुदेव साय..

- प्रसाद योजना में रतनपुर के विकास के लिए 200 करोड़ का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजा गया

बिलासपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय रतनपुर में आयोजित कल्चुरी कलार समाज के महासम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने भगवान सहस्त्रबाहु एवं बहादुर कलारीन दाई की पूजा-अर्चना कर विशाल सम्मेलन का शुभारंभ किया। श्री साय ने कहा कि धार्मिक नगरी रतनपुर के समग्र विकास के लिए केन्द्र सरकार की प्रसाद योजना के तहत 200 करोड़ रूपए की कार्य-योजना स्वीकृति के लिए भेजी गई है। इसके जल्द स्वीकृत होने की संभावना है। उन्होंने ऐतिहासिक नगरी रतनपुर में 100 बिस्तर अस्पताल खोलने तथा कल्चुरी समाज के सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 1 करोड रूपया देने का ऐलान किया है। सम्मेलन की अध्यक्षता राज्य शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने की। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, विधायक श्री धरमलाल कौशिक, श्री अमर अग्रवाल, श्री सुशांत शुक्ला, श्री अटल श्रीवास्तव, श्रीमती संगीता सिन्हा, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, क्रेडा अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सवन्नी,योग आयोग के अध्यक्ष श्री रूपनारायण सिन्हां, महापौर पूजा विधानी उपस्थित थीं।मुख्य अतिथि की आसंदी से मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कल्चुरी राजवंश ने रतनपुर सहित देश में लगभग

1200 वर्षों तक शासन किया है। उनके राज में प्रजा खुश एवं देश समृद्धशाली रहा है। मां महामाया की कृपा से छत्तीसगढ़ राज्य में तेजी से विकास हो रहे हैं। श्री साय ने कहा कि हमारा छत्तीसगढ़ देश के बीचों-बीच स्थित है। खनिज, वन एवं जल संसाधनों से भरा पड़ा है। हम यहां के लोगों को साथ लेकर राज्य को प्रगति के मार्ग पर और आगे ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार को अभी बमुश्किल 22 माह हुए हैं। इतनी कम अवधि में भी हमने मोदी की गारण्टी के रूप में किये गये लगभग सभी बड़े वायदे पूरे किए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने देश को नया एवं शक्तिशाली बनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि हमने किसानों से किये गये वायदे के अनुरूप 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीद रहे हैं। इस साल 15 नवम्बर से यह अभियान फिर से शुरू करने जा रहे हैं। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत राज्य की 70 लाख महिलाओं को हर महीने 1 हजार रूपए दे रहे हैं। अब तक 21 किश्त उन्हें दे चुके हैं। प्रधानमंत्री एवं केन्द्रीय गृह मंत्री ने 31 मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ से नक्सल समस्या को समूल नाश करने का संकल्प लिया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। नक्सल समस्या को दूर करने के साथ इन ग्रामों में विकास कार्य को भी तेज कर दिए हैं। अभी पिछले कुछ महीनों में बस्तर के 327 ग्रामों को विकास के मामले में फिर से आबाद किए हैं।

बालक स्कूल रामानुजनगर के दो विद्यार्थियों का राज्य स्तर पर चयन

- विज्ञान शिक्षक गोपाल सिंह के मार्गदर्शन में कई बार विद्यार्थियों का हो चुका है राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर चयन
- स्वास्थ्य और स्वच्छता तथा सतत कृषि,उप विषय पर विद्यार्थियों ने मारी बाजी

रामानुजनगर। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद नई दिल्ली के आदेशानुसार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बच्चों के लिए जोन स्तरीय राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी,पश्चिम भारत विज्ञान मेला एवं विज्ञान नाटिका प्रतियोगिताओं का आयोजन शा.बहु.उ.मा.वि .अंबिकापुर जिला सरगुजा में संपन्न

हुआ जिसमें शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर के दो विद्यार्थियों का बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में राज्य स्तर के लिए चयन हुआ है। इस वर्ष इस कार्यक्रम का विषय विकसित और आत्मनिर्भर भारत है, जिसके अंतर्गत सात उप विषय सतत कृषि,अपशिष्ट प्रबंधन और प्लास्टिक के विकल्प,हरित ऊर्जा, उभरती हुई प्रौद्योगिकियां, मनोरंजक गणितीय मॉडलिंग, स्वास्थ्य और स्वच्छता एवं जल संरक्षण और प्रबंधन है।इस प्रतियोगिता में शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर के छात्र अविनाश सिंह(कक्षा 12वीं) का स्वास्थ्य और स्वच्छता पर प्रादर्श बनाने और नवल साय(कक्षा 10वीं) का सतत कृषि के लिए प्रादर्श बनाने पर राज्य स्तर के लिए चयन हुआ है। राज्य उत्सव- 2025 के रजत महोत्सव में भी विद्यार्थियों ने अपने प्रादर्श का शिक्षा विभाग के स्टॉल में प्रदर्शन करके जिले में खूब सुर्खियां बटोरी हैं।

पूर्व विधायक बृहस्पति सिंह के बिगड़े बोल पर कांग्रेस नेताओं का पलटवार

- कहा, मानसिक रूप से असंतुलित व्यक्ति पार्टी की चिंता करने की स्थिति में नहीं

एमसीबी-पूर्व विधायक बृहस्पति सिंह द्वारा कांग्रेस नेत्री सुश्री जारिता लेफ्तलांग के विरुद्ध सोशल मीडिया एवं सार्वजनिक मंचों पर की गई अनर्गल, असत्य एवं अमर्यादित टिप्पणियों को लेकर कांग्रेस नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि श्री बृहस्पति सिंह के बयानों से यह स्पष्ट है कि वे मानसिक रूप से असंतुलित हो चुके हैं। वे पहले ही कांग्रेस पार्टी से निष्कासित किए जा चुके हैं, फिर भी आज वे यह दिखाने का प्रयास कर रहे हैं कि वे पार्टी के शुभचिंतक हैं। सवाल यह उठता है कि जब वे अब कांग्रेस का हिस्सा ही नहीं हैं, तो किस हैसियत से कांग्रेस की चिंता करने की बात कर रहे हैं? श्री श्रीवास्तव ने कहा कि बृहस्पति सिंह की भाषा और व्यवहार न केवल एक महिला जनप्रतिनिधि का अपमान है, बल्कि यह महिला सम्मान एवं सामाजिक मर्यादा के खिलाफ भी है। इस प्रकार की अभद्र टिप्पणी उनके राजनीतिक दिवालियापन और मानसिक असंतुलन का प्रमाण है। उन्होंने इस प्रकरण पर थाना मनेन्द्रगढ़ में शिकायत दर्ज कराते हुए मांग की है कि भारतीय दंड संहिता की धारा 354, 500, 509 एवं आईटी एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत स्वतः दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं विधानसभा प्रत्याशी रमेश सिंह ने कहा कि बृहस्पति सिंह का यह बयान राजनैतिक द्वेष और व्यक्तिगत हताशा का प्रतीक है।

गैर संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम के भौतिक प्रगति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

जशपुरनगर। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग जशपुर अंतर्गत स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार व जिलें में संचालित विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों के सुचारू रूप से संचालन व क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर श्री रोहित व्यास के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी. एस. जात्रा एवं श्री राजीव रंजन मिश्रा जिला कार्यक्रम प्रबंधक की अध्यक्षता में जिलें में संचालित विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों की समय-समय पर जिला एवं विकासखंड स्तर पर मॉनिटरिंग के साथ-साथ जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की जा रही है। इसी कड़ी में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जशपुर के सभाकक्ष में गैर संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम के भौतिक प्रगति के संबंध में विकासखंड स्तर पर संचालित समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं उप-स्वास्थ्य केंद्र, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों हेतु एक दिवसीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में एन.सी.डी. कार्यक्रम अंतर्गत समाहित सूचकांको, गैर संचारी रोग जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, कैंसर -ओरल, ब्रेस्ट व सरवाईकल से ग्रसित रोगियों के पंजीयन, स्क्रीनिंग, रि-स्क्रीनिंग, जॉच, परीक्षण एवं उपचार व फॉलोअप के साथ कार्ड निर्माण हेतु निर्धारित लक्ष्य अनुरूप न्यूनतम प्रगति प्राप्त स्वास्थ्य संस्थानों के आर.एच.ओ. व सी.एच.ओ. की समीक्षा की गई।

सरदार150 यूनिटी मार्च से गूंजेगा एकता और अखंडता का संदेश...

- जिले के सभी विधानसभा में आयोजित होंगे विविध कार्यक्रम

बिलासपुर- 09 नवंबर,2025 को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जिले मेंसरदार150 यूनिटी मार्चका आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य समाज में एकता, अखंडता, स्वच्छता और राष्ट्रप्रेम की भावना को सशक्त बनाना है। जिले के सभी छह विधानसभा क्षेत्रों बिल्हा, बिलासपुर, बेलतरा, कोटा, तखतपुर और मस्तूरी में यह यात्रा दो चरणों में निकाली जाएगी। पहले चरण की यात्रा 11 नवंबर को बिलासपुर, बिल्हा और बेलतरा विधानसभा की 11 बजे माँ काली मंदिर परिसर, तिफरा से शुरू होगी। यह यात्रा राजीव गांधी चौक, नेहरू चौक, देवी चौक, शनिचरी, भारत माता चौक, तारबाहर से होते हुए सरस्वती शिशु कन्या महाविद्यालय बिलासपुर पहुँचेगी। जहां मार्ग में आने विभिन्न स्कूलों के छात्रों द्वारा यात्रा में शामिल लोगों का स्वागत किया जाएगा। काली मंदिर प्रांगण में स्वदेशी भारत आत्मनिर्भर भारत शपथ,नेहरू चौक में स्वच्छता दीदीयों का सम्मान,देवकीनंदन दीक्षित चौक में भारत माता की प्रतिमा में माल्यार्पण, गोल बाजार में बाजार संपर्क, माँ बिलासा दाई की प्रतिमा में माल्यार्पण एवं स्वदेशी बाजार का भ्रमण किया जाएगा। चाटीडीह चौक में भारत माता की प्रतिमा में माल्यार्पण एवं स्वच्छता कर्मीयों का सम्मान व। सबरीमाता नवीन कन्या महाविद्यालय परिसर में युवा आईकॉन का सम्मान सम्मान समारोह तथा स्वच्छता और राष्ट्रएकता विषयक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस चरण में लगभग दो हजार से अधिक प्रतिभागी शामिल होंगे।दूसरे चरण की यात्रा 12 नवम्बर को सुबह 10 बजे माँ महामाया मंदिर रतनपुर से आरंभ होगी। यह यात्रा राम मंदिर कोटा जनपद कार्यालय, महाराणा चौक, जयस्तंभ चौक, सकरी से होकर मस्तूरी हाई स्कूल परिसर में संपन्न होगी। इस दौरान स्वच्छता अभियान, पौधारोपण, नशामुक्ति जागरूकता और महिला सशक्तिकरण से जुड़े कार्यक्रम भी होंगे। कोटा में राममंदिर का दर्शन एवं सभा, अटल जी के प्रतिमा में माल्यार्पण, जयस्तंभ चौक में सुवा नृत्य एवं स्थानीय कलाकारों का सम्मान किया जाएगा। थाना सकरी के पास से पूर्व माध्य. शाला सकरी तक नागरिको एवं स्थानीय व्यापारियों द्वारा पुष्पवर्षा एवं पदयात्रियों का स्वागत अभिनंदन। वेदपरसदा में राधा कृष्ण मंदिर में दर्शन कर पदयात्रा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय प्रागंण में एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण, जोधरा चौक में रंगोली तथा स्व.अमरनाथ साव की प्रतिमा में माल्यार्पण एवं हाई स्कूल प्रांगण में सभा आयोजित की जाएगी।

आधारहिन बयान बाजी के विरोध में बृहस्पति सिंह पूर्व विधायक के विरुद्ध कांग्रेस ने अपराध दर्ज करने की मांग

अंबिकापुर/कांग्रेस से निष्कासित पूर्व विधायक वृहस्पति सिंह के द्वारा दिये गए आधारहीन और अमर्यादित बयान के विरोध में आज जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा ने जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक के नेतृत्व में थाना कोतवाली में आवेदन देकर उसके विरुद्ध अपराध दर्ज करने की मांग की है। मीडिया को दिए बाइट में कांग्रेस जिलाध्यक्षों के चयन को लेकर जारी संगठन सृजन अभियान को कटघरे में खड़े करते हुए वृहस्पति सिंह ने आखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की सचिव और छत्तीसगढ़ की सहप्रभारी सुश्री जरिता लैतफ्लांग पर आरोप लगाया है कि वे सरगुजा संभाग के जिलों में कांग्रेस अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए दावेदारों से संपर्क कर पैसे की मांग कर रही हैं। वृहस्पति सिंह के इस आधारहीन आरोप से आक्रोशित कांग्रेस के जिला संगठन ने उनके विरुद्ध थाने में आवेदन सौंप अपराध दर्ज करने की मांग की है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्री बालकृष्ण पाठक ने कहा कि बृहस्पति सिंह आदतन आधारहीन बयानबाजी करता है। इसी कारण आज वो पार्टी से निष्कासित है। उसके द्वारा दिया गया यह बयान न

केवल पार्टी की राष्ट्रीय सचिव जरिता लैतफ्लांग की मानहानि है साथ ही साथ इससे पार्टी की छवि को धक्का लगा और पार्टी के द्वारा चलाये जा रहे संगठन सृजन अभियान को प्रश्नांकित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस घटना को लेकर मैं पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को पत्र लिखकर प्रदेश के उन नेताओं के विषय में शिकायत करूँगा जो वृहस्पति सिंह जैसे निष्कासित नेताओं को अभी भी शह दे कर पार्टी और पार्टी के कर्मठ नेताओं के विरुद्ध अमर्यादित बयानबाजी के लिए उकसा रहे हैं। इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शफी अहमद और द्वितेंद्र मिश्रा भी कोतवाली अम्बिकापुर में मौजूद थे। ये दोनों सरगुजा जिले के लिए कांग्रेस जिलाध्यक्ष की दौड़ में शामिल हैं। छत्तीसगढ़ की सहप्रभारी सुश्री जरिता लैतफ्लांग पर वृहस्पति सिंह द्वारा लगाये गए आरोप पर इन दोनों ने आश्चर्य व्यक्त किया। निगम में नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने कहा कि संगठन के लिए पूरी निष्ठा के साथ समर्पित सुश्री जरिता लैतफ्लांग पर वो व्यक्ति आरोप लगा रहा है जिसने पिछले विधानसभा चुनाव में पार्टी के साथ भितरघात किया। उसपर कौन विश्वास करेगा। पीसीसी महामंत्री द्वितेंद्र मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस से निष्कासित इस व्यक्ति के पीछे कोई तो है जो संगठन सृजन के इस गंभीर और पारदर्शी अभियान को दागदार बना अपना हित साधना चाह रहा है। इस दौरान पूर्व महापौर डॉ अजय तिर्की, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत सिन्हा, इंद्रजीत सिंह धंजल, विनीत विशाल जायसवाल, अनूप मेहता, जमील खान, लोकेश कुमार, चंद्रप्रकाश सिंह, रजनीश सिंह, निखिल विश्वकर्मा, प्रमोद चौधरी, अविनाश कुमार, अमित सिंह, मो इमरान, विकास केसरी, मिथुन सिंह, सतीश यादव आदि मौजूद थे।

प्रकृति के बीच सुंदर वादियों और एडवेंचर का पर्यटक उठा रहे आनंद

जशपुर। जशपुर जम्बुरी के दूसरे दिन सुबह सूरज उगने से पहले ही 120 पर्यटकों ने अपना सफर नीमगाँव से शुरू किया जहाँ प्रतिभागी शांत और मनमोहक पक्षी-दर्शन सत्र में शामिल हुए। सुनहरी धुंध से ढकी वादियों में जब पक्षियों की चहचहाहट गूंजी, तो पूरा जंगल जीवन से भर उठा। यह एक सुकूनभरी शुरुआत थी, जिसने सभी को जशपुर की शांत और प्राकृतिक लय से जोड़ दिया। नाश्ते के बाद प्रतिभागियों को दिनभर की रोमांचक यात्राओं के लिए दो समूहों में बाँटा गया। पहला समूह रवाना हुआ मयाली की ओर, जो पवित्र मधेश्वर पर्वत की तलहटी में बसा है — जो प्राकृतिक रूप से शिवलिंग का सबसे विशाल स्वरूप है। इस आध्यात्मिक वातावरण में दिनभर का रोमांच और भी खास बन गया। मयाली के नीले पानी में प्रतिभागियों ने कयाकिंग, एक्वा साइक्लिंग, एटीवी राइड्स और जोशीले पेंटबॉल गेम जैसे कई साहसिक खेलों का आनंद लिया। आसमान में उड़ते पैरामोटर और हॉट एयर बलून से मधेश्वर पर्वत और हरे-भरे जंगलों का विहंगम दृश्य सभी को मंत्रमुग्ध कर गया। रोमांच के बाद, स्थानीय व्यंजनों से सजे दोपहर के भोजन ने सबके दिन को और भी स्वादिष्ट बना दिया। वहीं, दूसरा समूह देश देखा में रहा, जहाँ दिनभर के लिए खुला आसमान और पथरीला भूभाग रोमांच का नया अध्याय लिख रहा था।

औषधीय गुणों की खान है इलायची

आमतौर पर अधिकतर घरों में इलायची का सेवन मुखशुद्धि के लिए अथवा मसाले के रूप में किया जाता है। यह दो प्रकार की आती है- हरी या छोटी इलायची तथा बड़ी इलायची। जहां बड़ी इलायची व्यंजनों को लजीज बनाने के लिए एक मसाले के रूप में प्रयुक्त होती है, वहीं हरी इलायची मिठाइयों की खुशबू बढ़ाती है। मेहमानों की आव भगत में भी इलायची का इस्तेमाल होता है। लेकिन इसकी महत्ता केवल यहीं तक सीमित नहीं है। यह औषधीय गुणों की खान है। आइए, जानें इनके औषधीय गुणों को। छोटी इलायची और बड़ी इलायची से होने वाले फायदों के बारे में

- **खराश** : यदि आवाज बैठी हुई है या गले में खराश है, तो सुबह उठते समय और रात को सोते समय छोटी इलायची चबा-चबाकर खाएं तथा गुनगुना पानी पीएं।
- **सूजन** : यदि गले में सूजन आ गई हो, तो मूली के पानी में छोटी इलायची पीसकर सेवन करने से लाभ होता है।
- **खांसी** : सर्दी-खांसी और छींक होने पर एक छोटी इलायची, एक टुकड़ा अदरक, लौंग तथा पांच तुलसी के पत्ते एक साथ पान में रखकर खाएं।
- **उल्टियां**: बड़ी इलायची पांच ग्राम लेकर आधा लीटर पानी में उबाल लें। जब पानी एक-चौथाई रह जाए, तो उतार लें। यह पानी उल्टियां रोकने में कारगर सिद्ध होता है।
- **बदहजमी** : यदि केले अधिक मात्रा में खा लिए हों, तो तत्काल एक इलायची खा लें। केले पच जाएंगे और आपको हल्कापन महसूस होगा।
- **जी मिचलाना** : बहुतों को यात्रा के दौरान बस में बैठने पर चक्कर आते हैं या जी घबराता है। इससे निजात पाने के लिए एक छोटी इलायची मुंह में रख लें।
- **छाले** : मुंह में छाले हो जाने पर बड़ी इलायची को महीन पीसकर उसमें पिसी हुई मिश्री मिलाकर जुबान पर रखें, तुरंत लाभ होगा।
- **बड़ी इलायची की चाय** : सर्दियों के मौसम में खांसी-जुकाम हो जाने पर बड़ी इलायची की चाय या इसका काढ़ा बनाकर पीने से ठंड से राहत मिलती है।
- **कैफीन और विषैले पदार्थ** : बड़ी इलायची शरीर में जाकर एक डिटॉक्सीफायर का काम करती है। ये आपके शरीर से कैफीन और विषैले पदार्थों को बाहर निकाल फेकती है। इसका प्रभाव आपके चेहरे पर भी दिखता है और त्वचा में निखार आ जाता है।
- **कैंसर** : बड़ी इलायची में इस तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो कि कैंसर के मरीज को फायदा पहुंचाते है।
- **मजबूत बाल** : इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेटिव आपके सिर की त्वचा को पोषण देते है जिस वजह से बाल मजबूत होने लगते है।
- **तनाव व घबराहट** : यदि किसी को जल्द ही थकान, तनाव व घबराहट होती है, तो बड़ी इलायची को पीस कर, शहद में मिलाकर लेने से फायदा होगा।
- **सिर दर्द** : सिर दर्द होने पर भी बड़ी इलायची का सेवन लाभदायक होता है।
- **दांत का दर्द** : बड़ी इलायची और लौंग तेल को बराबर-बराबर मात्रा में लें। इसे दांतों पर मलने से दांत का दर्द ठीक होता है।
- **बड़ी इलायची का काढ़ा** : 4-5 बड़ी इलायची के फल को 400 मिली पानी में उबाल लें। इस काढ़ा से कुल्ला करने से दांत दर्द ठीक होता है।
- **मुंह के सूजन** : 2-3 बड़ी इलायची के छिलकों को पीसकर खाने से दांत की बीमारियों तथा मुंह के सूजन में लाभ होता है।
- **अधिक थूक बनना** : यदि मुंह में अधिक थूक आता हो या लार बहती हो तो बड़ी इलायची और सुपारी को बराबर-बराबर पीसकर मिला लें। इसे 1-2 ग्राम मात्रा में लेकर चूसते रहने से थूक कम बनता है और लार का बहना बंद हो जाता है।
- **सांसों के रोग** : 5-10 बूंद बड़ी इलायची तेल में मिश्री मिलाकर नियमित सेवन करने से सांसों के रोग में लाभ होता है।
- **भूख ना लगना** : एक ग्राम बड़ी इलायची बीज चूर्ण में 4 ग्राम मिश्री मिलाकर 1 ग्राम सुबह और शाम सेवन करने से गर्भवती स्त्री को भूख ना लगने की परेशानी में लाभ होता है।
- **मुंह से दुर्गंध** : अगर आपके मुंह से दुर्गंध आती है तो बड़ी इलायची चबाना एक अच्छा उपाय है। इसके अलावा मुंह के घावों को ठीक करने के लिए भी बड़ी इलायची को इस्तेमाल में लाया जा सकता है।

खाने में रोज जहर डाल रहे, डॉ. ने बताए कैंसर करने वाले 3 तेल

शाकाहारी खाना हो या फिर नॉन वेजिटेरियन फूड, हर किसी में तेल का इस्तेमाल होता है। यह सब्जी को एक फ्लेवर, एरोमा और टेक्सचर देने का काम करता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आजकल लोगों ने खाने में जहर डालना शुरू कर दिया है। इसके बारे में रजिस्टर्ड न्यूट्रिशनिस्ट डॉक्टर शिल्पा ने बताया है। उन्होंने कहा कि आप अपने खाने में रोज जहर डाल रहे हैं। यह आपके किचनी की सबसे खतरनाक चीज है, जिसमें आप रोज फाई करते हैं, सब्जी बनाते हैं और तड़का लगाते हैं।

रिफाइंड ऑयल है सबसे खतरनाक

डॉक्टर शिल्पा के मुताबिक रिफाइंड ऑयल सबसे टॉक्सिक है। जैसे कि सोयाबीन ऑयल, कैनोला ऑयल और सनफ्लॉवर ऑयल। इन तेल को निकालने के लिए खतरनाक केमिकल का इस्तेमाल होता है।

कौन सा केमिकल होता है इस्तेमाल?

एक्सपर्ट के मुताबिक तेलों को साफ करने, उनसे रंगत और महक हटाने के लिए कुछ केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें हेक्सैन जैसे खतरनाक केमिकल होते हैं। इसलिए अगर आप इन रिफाइंड ऑयल का इस्तेमाल करते हैं तो तुरंत बंद कर दें।

पैदा होती हैं ये दिक्कते

एक्सपर्ट के मुताबिक तेल में मौजूद इन केमिकल की वजह से आपको कई सारी समस्याएं हो सकती हैं। जिसमें हॉर्मोन असंतुलन, डायजेस्टिव डिसऑर्डर, रेस्पिरेटरी कंडीशन और कैंसर भी शामिल है। आप इनकी जगह दूसरे तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं।

ये है सही

अगर आप सूखी सब्जी बना रहे हैं, तो इसे सरसों के तेल में बनाएं। अगर आप तड़का लगाना चाहते हैं तो इसके लिए घी इस्तेमाल करें। एक्सपर्ट के मुताबिक इन्हें थोड़ा खाओ, लेकिन शुद्ध खाओ।

पाचन क्रिया में गड़बड़ी का संकेत है ब्लोटिंग

वैसे तो ब्लोटिंग को आम समस्या समझा जाता है लेकिन नजरअंदाज करने पर यह बीमारी गंभीर भी बन सकती है। इसके कई कारण हो सकते हैं जैसे लाइफस्टाइल में गड़बड़ी, हार्मोनल असंतुलन ,बासी भोजन का सेवन,पेट में पानी या फ्लूइड का भर जाना, कब्ज, ज्यादा देर तक भूखे या फिर कई घंटे एक ही जगह पर बैठे रहना,पीरीयड्स आने पर होने वाले शारीरिक बदलाव भी पेट के फूलने का कारण बनते हैं। इसके अलावा दवाइयों का अधिक सेवन या और भी बहुत से कारण हैं जो ब्लोटिंग की वजह हैं। इससे सेहत पर भी बहुत बुरा असर पड़ता है, इससे छुटकारा पाने के लिए सही लक्षणों को पहचानना बहुत जरूरी है।

लक्षण

- घबराहट
- भूख न लगना
- बेचैनी
- पेट में दर्द
- कब्ज या दस्त
- वजन घटना
- थकान
- तेज सिरदर्द या कमजोरी

इस तरह पाएं ब्लोटिंग से छुटकारा

इस परेशानी में पेट फूला हुआ और सख्त महसूस होता है। कुछ घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल करने से इस समस्या से राहत पाई जा सकती है।

अजवायन - खाना खाने के बाद भारीपन के साथ-साथ बेचैनी या घबराहट होने लगती है तो थोड़ी सी अजवायन के साथ सेंधा नमक चबाचबा कर खाएं। इसके बाद गुनगुना पानी पी लें। इससे पेट में बनने वाली गैस से राहत मिलेगी और पाचन क्रिया भी दुरूस्त हो जाएगी।

तुलसी - तुलसी सेहत के लिए बहुत लाभकारी है और यह आसानी से मिल भी जाती है। पेट से जुड़ी किसी भी समस्या से राहत पाने के लिए इसका सेवन करना बैस्ट है। कुछ दिन सुबह खाली पेट 3-4 तुलसी की ताजी पत्तियों का सेवन करें। इससे पेट फूलने की समस्या दूर हो जाएगी।

गुनगुना पानी - गुनगुने पानी का सेवन पेट की सूजन,अपच के साथ-साथ और भी बहुत सी समस्याओं से राहत दिलाने में कारगर है। खाना खाने के बाद ठंड़ा पानी पीने की जगह गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। सुबह उठकर एक गिलास गुनगुना पानी पीने से कब्ज नहीं होती और पेट भी तंदुरूस्त रहता है।

पुदीना - पुदीने का सेवन करने से पेट में जमा होने वाली गैस आसानी से निकल जाती है, जिससे ब्लोटिंग की परेशानी नहीं होती। दिन में एक बार पुदीने की चाय पीने से भी फायदा मिलता है। इसके अलावा खाने में पुदीने की चटनी भी शामिल कर सकते हैं। इससे बदहजमी नहीं होती। आप सुखे पुदीने का सेवन मिश्री के साथ भी खा सकते हैं।

कद्दू - पेट से जुड़ी हर समस्या के लिए कद्दू बैस्ट है। इसमें विटामिन ई,पोटाशियम और फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जिससे खाना आसानी से पचने लगता है। दिन में एक बार कद्दू का सेवन जरूर करें।

केला - कैल्शियम, पोटाशियम और फाइबर के लिए केला बहुत बढिया है। यह कब्ज,गैस और पेट के फूलने से जुड़ी समस्या के लिए बहुत लाभकारी है। रोजाना एक केले का सेवन काले नमक के साथ करने से पेट से जुड़ी परेशानियां दूर रहती हैं।

सौंफ - सौंफ में एंटी माइक्रोबियल गुण होते हैं, खाना खाने का बाद इसे चबाचबा कर खाएं। इससे पेट की गैस आसानी से निकल जाती है। इसके अलावा एक कप गर्म पानी में 1चम्मच सौंफ के बीज भी डाल कर 5 से 10 मिनट ढक्कर रख दें। इसके बाद इस मिश्रण को छानकर इसका सेवन करें। इसका सेवन दिन में 2 से 3 बार करें।

ब्लोटिंग यानि पेट फूलना, जिससे पेट का आकार बढने लगता है। इसे पेट की सूजन भी कहते हैं। सामान्य तौर पर ऐसा खाना खाने के बाद महसूस होता है। यह समस्या तब आती है जब छोटी आंत के अंदर गैस भर जाती है। इसका सीधा संकेत पाचन क्रिया में गड़बड़ी भी है।

ठंड में हार्ट के मरीज बरतें ये सावधानियां

ठंड के मौसम में हमारे शरीर में कई तरह के बदलाव आने लगते हैं। सर्दी के कारण जहां सर्दी और खांसी की समस्या बढ़ जाती है। वहीं इस मौसम में दिल की बीमारी को खतरा भी काफी बढ़ जाता है। दरअसल सर्द हवाओं के चलते रक्त वाहिकाएं संकुचित हो जाती है जिसके कारण ब्लड का फ्लो सही से नहीं हो पता है। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है। दिल पर दबाव पड़ता है और हार्ट अटैक का कारण बनता है। वहीं इस मौसम में हमारी लाइफस्टाइल भी काफी ज्यादा बदल जाती है। इसके कारण भी हार्ट अटैक का खतरा बना रहता है। अगर आप हार्ट के पेशेंट हैं और खुद को सर्दियों में सुरक्षित रखना चाहते हैं तो आप इन बातों का ध्यान रखें।

- सर्दियों के मौसम में आप अनहेल्दी फूड खाने से बचें। अगर आप ठंड के दिनों में ज्यादा तला भुना या फाइड चीज खाते हैं,तो यह आपके हार्ट को नुकसान पहुंचा सकता है। ब्लड फ्लो वैसे ही कम हो जाता है और ऑयली चीज खाने से ब्लड वेसल में फैट जमा हो जाएगा तो ब्लड फ्लो पूरी तरह से बाधित हो सकता है। यह हार्ट हेल्थ के मरीजों को बुरी तरह से नुकसान पहुंचता है।
- हार्ट के मरीजों को एक्सरसाइज रेगुलर बेसिस पर करना जरूरी होता है। सर्दियों में लोग अक्सर ज्यादा खाते हैं और कंफर्टेबल फूड खाने के आदी हो जाते हैं। ऐसे में वजन बढ़ने का रिस्क बढ़ जाता है और इससे हार्ट पर ज्यादा दबाव पड़ने लगता है। इससे बचने का बेहतर उपाय यह है कि आप बहुत ज्यादा एक्सरसाइज नहीं भी कर पाए तो हल्की-फुल्की एक्सरसाइज हर रोज करें। इससे आप एक्टिव रहेंगे और हार्ट भी ठीक से फंक्शन करेगा।
- सर्दियों के मौसम में अक्सर धूप की कमी के चलते मेंटल हेल्थ खराब हो जाता है। अक्सर लोग डिप्रेशन और स्ट्रेस के शिकार हो जाते हैं। ऐसे में आप कोशिश करें कि तनाव कम लें, स्ट्रेस मैनेज करें। क्योंकि स्ट्रेस की वजह से बीपी बढ़ सकता है और यह हार्ट अटैक का कारण बन सकता है।
- हार्ट को हेल्दी रखने के लिए ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखना जरूरी होता है। ऐसे में सर्दियों में जितना कम हो सके उतना नमक का सेवन करें, शरीर में नमक पानी को रोकता है और हार्ट को इस लिक्विड को पंप करने में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है।
- अक्सर लोग सर्दियों में धूम्रपान ज्यादा करते हैं। इससे भी हार्ट अटैक की आशंका ज्यादा होती है। इससे धमनियों में प्लाक जमा होता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी घटता है। कोशिश करें कि धूम्रपान ना करें

कैल्शियम के लिए खाएं खसखस

खसखस के बीज पूरे शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं। लेकिन इनमें हड्डियों के लिए जरूरी कई सारे मिनरल्स होते हैं। इसलिए कमजोर हड्डियों को इन्हें खाने से मजबूती मिलती है।

शरीर की स्थिरता और मजबूती हड्डियों के दम पर होती है। इन्हीं से अंदर का ढांचा बनता है। अगर हड्डियां कमजोर हो जाती हैं तो चलना-फिरना तक मुश्किल हो जाता है। आपको बता दें कि हड्डियां कैल्शियम से बनी होती हैं, इसलिए इसकी बहुत जरूरत होती है। कैल्शियम पाने के लिए आप खसखस के बीज (पॉपी सीड्स) खा सकते हैं। इनमें भरपूर मात्रा में यह मिनरल मौजूद होता है। आपको बता दें कि ये बीज अफीम के पौधे से प्राप्त होते हैं। लेकिन इन्हें खाने लायक बनाने के लिए कई प्रोसेस के बाद इनसे नशा करने वाले तत्व निकाल दिए जाते हैं। सही मात्रा में इनका सेवन करने से कई फायदे मिलते हैं।

पोषण का भंडार हैं खसखस के बीज

खसखस के अंदर कैल्शियम के साथ फाइबर, प्रोटीन, आयरन, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, पोटैशियम, जिंक, कॉपर, सेलेनियम, विटामिन ई आदि कई सारे पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को हेल्दी रखने के लिए जरूरी हैं।

दूर होती है हड्डियों की कमजोरी

अगर कमजोरी की वजह से हड्डियों में दर्द हो रहा है तो खसखस के बीज जरूर खाएं। इनमें कैल्शियम, मैंगनीज, मैग्नीशियम और जिंक होता है। रिसर्च कहती है कि मजबूत हड्डियों के लिए इन सभी चीजों की जरूरत है।

वेट लॉस डाइट में करें शामिल

वेट लॉस के लिए फाइबर बहुत महत्वपूर्ण है। यह पेट को देर तक भरा रखता है और पाचन भी बेहतर करता है। अन्य बीजों की तरह खसखस में भी फाइबर की उच्च मात्रा होती है।

दर्द से छुटकारा दिलाता है खसखस

अनप्रोसेस्ड पॉपी सीड्स पर morphine, codeine, the-baine जैसे तत्व हो सकते हैं। दर्द से निजात दिलाने के लिए ये तत्व पेन किलर दवाओं के अंदर डाले जाते हैं। हालांकि, बिना प्रोसेस किए खसखस के बीज खाने से पहले किसी एक्सपर्ट की राय लेनी चाहिए।

इस वक्त मिलेंगे खसखस के फायदे

खसखस के बीजों को कभी भी खाया जा सकता है। हालांकि, सुबह खाली पेट इनका सेवन ज्यादा लाभदायक माना जाता है। मगर ध्यान रहे कि इसे खाने से पहले किसी एक्सपर्ट से सही मात्रा की जानकारी ले लें।

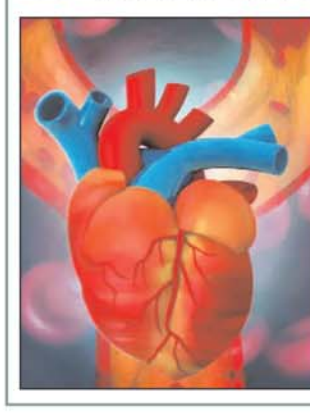

सुधर जाएगी हार्ट की हेल्थ

खसखस बीज के तेल में मोनो और पॉली अनसैचुरेटेड फैट होता है, जो कोलेस्ट्रॉल को घटाने में मदद करते हैं। ये हेल्दी फैट होते हैं, जो हार्ट के लिए काफी फायदेमंद हैं और हार्ट अटैक से बचाते हैं।

अब हर थाने में आने वाला नागरिक साझा करेगा अपना अनुभव, क्यूआर कोड के माध्यम से मिलेगा पुलिसिंग पर फीडबैक

दुर्ग। आम नागरिकों की सुविधा और पुलिस सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से दुर्ग रेंज पुलिस ने एक अभिनव पहल 'अनुभव' की शुरुआत की है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य पुलिस और जनता के बीच विश्वास, पारदर्शिता और संवाद को और सशक्त बनाना है। इस योजना के तहत अब दुर्ग रेंज के सभी थाना एवं चौकियों में आने वाले नागरिक अपने अनुभव ऑनलाइन साझा कर सकेंगे। इसके लिए प्रत्येक थाना/चौकी में एक विशेष क्यूआर कोड प्रदर्शित किया गया है। नागरिक इस कोड को स्कैन कर एक सरल ऑनलाइन फीडबैक फॉर्म भर सकेंगे, जिसमें कुछ छोटे-छोटे प्रश्नों के माध्यम से वे अपने अनुभव और सुझाव दे सकते हैं। नाम और मोबाइल नंबर देना पूरी तरह वैकल्पिक रखा गया है, ताकि नागरिक बिना किसी झिझक के अपनी राय साझा कर सकें। सभी फीडबैक सुरक्षित रखे जाएंगे और नागरिकों की पहचान गोपनीय रहेगी। यह पहल पुलिस कार्यालय बालोद के सभागार कक्ष में लॉन्च की गई। कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक, दुर्ग रेंज रामगोपाल गर्ग ने क्यूआर कोड का शुभारंभ किया। यह पूरी पहल पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम के निर्देशन में चलाई जा रही है। 'अनुभव' योजना सरगुजा रेंज पुलिस की सफलता से प्रेरित है, जहाँ यह व्यवस्था पहले से प्रभावी रूप से लागू की जा चुकी है। दुर्ग रेंज में इसे और व्यापक रूप देने के लिए सभी थाना प्रभारियों को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।जनता के अनुभव ही हमारी पुलिसिंग का वास्तविक आईना हैं। 'अनुभव' पहल से हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि जनता हमारी सेवाओं से कितनी संतुष्ट है और किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है। हमारा लक्ष्य है – पारदर्शी और संवेदनशील पुलिसिंग को और सशक्त बनाना। मैं सभी नागरिकों से अपील करता हूं कि वे इस क्यूआर कोड के माध्यम से अपने अनुभव और सुझाव साझा करें। बालोद पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने इस क्यूआर कोड को स्वयं डिजाइन किया है। उन्होंने बताया कि यह प्रणाली पुलिस सेवाओं की पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर सीएसपी डॉ. चित्रा वर्मा, सीएसपी बोनीफास एक्का, डीएसपी माया शर्मा, विभिन्न थाना व चौकी प्रभारी, तथा आईजी कार्यालय से उप निरीक्षक डॉ. संकल्प राय, आरक्षक अभिषेक यादव और प्रशांत कुमार शुक्ला उपस्थित रहे। 'अनुभव' पहल के माध्यम से दुर्ग रेंज पुलिस जनता से सीधे संवाद स्थापित कर रही है। इस फीडबैक के आधार पर नागरिकों की अपेक्षाओं को समझते हुए पुलिस सेवाओं को और अधिक जनहितकारी व प्रभावी बनाया जाएगा।

उड़ीसा से नशीली दवाई बेचने वाला आरोपी गिरफ्तार

पद्मनाभपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो आरोपी पहले ही जेल भेजे जा चुके हैं

दुर्ग। पद्मनाभपुर पुलिस ने नशीली दवाइयों के अवैध व्यापार में शामिल एक और आरोपी को उड़ीसा से गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पहले पकड़े गए दो आरोपियों से मिली जानकारी के आधार पर की गई। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर शिक्षक नगर दुर्ग निवासी साहिल कुमार यादव और केलाबाड़ी दुर्ग निवासी फैजान अहमद को मानस भवन के पीछे से गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपियों के कब्जे से ट्रामाडोल दवाई की कुल 39 स्ट्रीप (372 कैप्सूल) बरामद किए गए थे। इस मामले में पुलिस ने थाना पद्मनाभपुर में अपराध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा था। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने खुलासा किया था कि वे नशीली टेबलेट और कैप्सूल उड़ीसा निवासी अमजद खान से खरीदते थे। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने एक विशेष टीम गठित कर उड़ीसा रवाना किया गया। टीम ने जिला बलांगीर के कांटाभांजी थाना क्षेत्र के धोवीपारा निवासी अमजद खान (40 वर्ष) को घेराबंदी कर उसके घर से गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने उड़ीसा से दुर्ग आकर नशीली टेबलेट कैप्सूल बेचने की बात स्वीकार की। पुलिस जांच में आरोपी के विरुद्ध पर्याप्त सबूत पाए गए। जिसके बाद आज दिनांक 07 नवंबर 2025 को आरोपी अमजद खान को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। पद्मनाभपुर पुलिस द्वारा नशीली दवाइयों के अवैध व्यापार के खिलाफ की गई इस सख्त कार्रवाई की सराहना की जा रही है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में ऐसे अवैध कारोबार पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और आगे भी सख्त कदम उठाए जाएंगे।

वीन कानून, एनडीपीएस पर पुलिस अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

दुर्ग। दुर्ग पुलिस द्वारा नवीन कानून, एन.डी.पी.एस. (स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम) एवं (बालकों के विरुद्ध लैंगिक अपराधों से संरक्षण) एक्ट के तहत पुलिस अधिकारियों और विवेचकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महात्मा गांधी कला मंदिर, भिलाई इस्पात संयंत्र, सिविक सेंटर, भिलाई में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल (भा.पु.से.) के निर्देशन में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में भीम सिंह राजपूत, उप संचालक अभियोजन, जिला दुर्ग, मेघेश्वर दिल्हीवार, शासकीय अभिभाषक एवं लोक अभियोजक, जिला दुर्ग, रूपवर्षा दिल्हीवार, विशेष लोक अभियोजक, प्रकाश शर्मा, विशेष लोक अभियोजक, जिला दुर्ग, सूरज शर्मा, विशेष लोक अभियोजक तथा सुनील चौरसिया, जिला अभियोजन अधिकारी, दुर्ग सहित अनेक सहायक अभियोजन अधिकारी उपस्थित रहे। भीम सिंह राजपूत ने प्रशिक्षण सत्र के दौरान स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 के प्रावधानों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एनडीपीएस कानून के तहत केन्द्र सरकार द्वारा बनाए गए नियमों का पालन विवेचना के दौरान अत्यंत आवश्यक है। मेघेश्वर दिल्हीवार, लोक अभियोजक ने विवेचकों को संबोधित करते हुए कहा कि एनडीपीएस मामलों की विवेचना के दौरान होने वाली सामान्य त्रुटियों को दूर करने के लिए विवेचकों को केस डायरी और सबूतों का सूक्ष्म अध्ययन करना चाहिए ताकि किसी भी प्रकार की खामी न रहे। रूपवर्षा दिल्हीवार, विशेष लोक अभियोजक ने बालकों के विरुद्ध लैंगिक अपराधों के मामलों में शीघ्र न्याय हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि ऐसे प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष न्यायालय गठित किए गए हैं तथा सीआरपीसी की धारा 173 और बीएनएसएस की धारा 193 के अनुसार 60 दिनों के भीतर चालान प्रस्तुत करने का प्रावधान है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि विवेचक को किसी प्रकार का भ्रम या त्रुटि दिखाई दे तो वह चालान प्रस्तुत करने के 10 दिन पूर्व लोक अभियोजक से संपर्क कर सुधार कर सकते हैं।

गांजा बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा था आरोपी, पुलिस ने रंगेहाथों किया गिरफ्तार

कुम्हारी पुलिस की त्वरित कार्रवाई, आरोपी जेल भेजा गया न्यायिक रिमांड पर

कुम्हारी। थाना कुम्हारी पुलिस ने मादक पदार्थों की बिक्री पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गांजा बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया है। मुखबिर से सूचना मिली कि खदानपारा कुम्हारी के पास एक व्यक्ति गांजा बिक्री के लिए ग्राहक तलाश कर रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कुम्हारी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। पुलिस टीम ने मौके पर पहुँचकर घेराबंदी की और संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया। पूछताछ एवं तलाशी के दौरान उसके पास से 1 किलो 800 ग्राम गांजा और बिक्री की रकम 4,300 बरामद की गई। आरोपी के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर थाना कुम्हारी में आरोपी डाउन दीवार (आयु 60 वर्ष, निवासी बाजार चौक कुम्हारी) के खिलाफ धारा 20(ख) नारकोटिक्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना कुम्हारी पुलिस की टीम की सक्रिय भूमिका रही। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए अभियान जारी रहेगा।

लोकसभा स्तरीय 'रन फॉर स्वदेशी, रन फॉर यूनिटी मैराथन का आयोजन 13 नवम्बर को सिरपुर में

गरियाबंद। महासमुंद लोकसभा स्तरीय मैराथन दौड़ रन फॉर स्वदेशी - रन फॉर यूनिटी का आयोजन 13 नवम्बर 2025 को ऐतिहासिक स्थल सिरपुर में किया जाएगा। यह कार्यक्रम सुबह 8 बजे से प्रारंभ होगा। इस प्रतियोगिता में धमतरी, गरियाबंद और महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के धावक शामिल होंगे। कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग महासमुंद द्वारा किया जा रहा है, जिसमें सिद्धसंकल्प फाउंडेशन सहयोगी संस्था के रूप में जुड़ी है। इस आयोजन की प्रेरणास्रोत महासमुंद लोकसभा सांसद रूपकुमारी चौधरी हैं। यह मैराथन महिला एवं पुरुष वर्ग हेतु 5 किलोमीटर की दूरी पर आयोजित की जाएगी। विजेता प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार राशि से सम्मानित किया जाएगा। प्रथम स्थान प्राप्त धावक को 25 हजार रूपए, द्वितीय को 20 हजार रुपए, तृतीय को 15 हजार रुपए, चतुर्थ को 10 हजार रुपए और पंचम स्थान प्राप्त धावक को 7 हजार 500 की राशि दी जाएगी। वहीं छठवें से दसवें स्थान तक के धावकों को 5 हजार रुपए का चेक प्रदान किए जाएंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए फ्री रजिस्ट्रेशन की सुविधा उपलब्ध है। गरियाबंद जिले के भी इच्छुक प्रतिभागी पोस्टर में दिए गए कोड स्कैन कर या मोबाइल नंबर - 7692908918, 7879515416 पर संपर्क कर पंजीकरण करा सकते हैं। इस मैराथन का उद्देश्य स्वदेशी भावना को बढ़ावा देना और समाज में एकता एवं स्वस्थ जीवनशैली का संदेश देना है।

पाटन में श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का आयोजन, पंडित युवराज पांडे के मुखारविंद से अमृतमय कथा का रसपान कर रहे श्रद्धालु

पाटन। नगर पंचायत पाटन अंतर्गत अखरा मैदान में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन बड़े भक्तिभाव और श्रद्धा के साथ जारी है। यह कथा पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष भूपेंद्र कश्यप की धर्मपत्नी स्वर्गीय श्रीमती मीना कश्यप की पुण्य स्मृति में आयोजित की जा रही है। इस पावन कथा का वाचन राष्ट्रीय कथा वाचक आचार्य पंडित युवराज पांडे (श्री जगन्नाथ मंदिर अमली पदर, देवभोग जिला गरियाबंद) के मुखारविंद से किया जा रहा है। कथा श्रवण के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन पहुंच रहे हैं और भक्ति रस में सराबोर हो रहे हैं। कथा प्रतिदिन दोपहर 1:00 बजे से अखरा मैदान, पाटन में प्रारंभ होती है। आज 08 नवंबर को कथा का दूसरा दिन रहा। इस सात दिवसीय कथा का समापन 13 नवंबर को सुदामा चरित्र, तुलसी वर्षा, गीता दान, हवन-पूजन, महाप्रसादी भंडारा एवं भव्य शोभायात्रा के साथ किया जाएगा। इस अवसर पर भूपेंद्र कश्यप, भूपेश कश्यप, अमन कश्यप, मिशिका, महेंद्र कश्यप, नर्सिंग, बिरेंद्र, रमन, किशोर, राहुल, विवेक, शलभ, अंकुश, पुरुषोत्तम कश्यप सहित संपूर्ण कश्यप परिवार कथा श्रवण में उपस्थित होकर श्रद्धा भाव से भागवत कथा का रसपान कर रहा है। श्रद्धालुओं का कहना है कि कथा के माध्यम से भक्ति, प्रेम और सदाचार का संदेश पूरे नगर में प्रवाहित हो रहा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 11 हितग्राहियों की निकली लॉटरी

दुर्ग नगर निगम क्षेत्र की चार साइटों पर आवास आवंटन प्रक्रिया संपन्न

- महापौर अलका बाघमार ने पार्षदों व अधिकारियों की मौजूदगी में की लॉटरी

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (एएचपी घटक) के तहत नगर निगम क्षेत्र की चार प्रमुख साइट गणपति विहार, सरस्वती नगर, गोकुल नगर एवं मां कर्मा में निर्मित आवासों को शीघ्र भरने की प्रक्रिया जारी है। आकर्षक डिज़ाइन और कम कीमत में शहर के भीतर बने ये मकान नागरिकों के बीच खासा उत्साह पैदा कर रहे हैं। नगर निगम के अनुसार, इन स्थलों पर हितग्राहियों द्वारा निरंतर आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। आवेदकों का चयन लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया जाता है। इसी क्रम में महापौर अलका बाघमार ने एमआईसी सदस्य, पार्षदों और अधिकारियों की उपस्थिति में कुल 11 हितग्राहियों की लॉटरी निकाली। इनमें गणपति विहार से 3, गोकुल नगर से 3, सरस्वती नगर से 3 और मां कर्मा साइट से 2 हितग्राही शामिल हैं। चयनित हितग्राहियों ने योजना की प्रथम किश्त राशि पहले ही जमा कर दी थी। हितग्राहियों को शेष राशि 9 माह के भीतर जमा करने की समयसीमा दी गई है। पूरी राशि 10 माह के भीतर जमा करने पर ही आधिपत्य पत्र प्रदान किया जाता है। इस अवसर पर देवनारायण चंद्राकर, शेखर चंद्राकर, सरिता चंद्राकर, सावित्री दमाहे, रंजीता पाटिल, सुरुचि उमरे, कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, सचिन ताम्रकर सहित अन्य मौजूद रहें। कार्यक्रम के दौरान गणपति विहार की जहिदा बेगम को सम्पूर्ण राशि जमा करने के उपरांत आधिपत्य पत्र प्रदान किया गया। अपने नए घर का सपना पूरा होने पर सभी हितग्राही अत्यंत उत्साहित और प्रसन्न नजर आए।

उतई में लेबर कांट्रेक्टर की हत्या का खुलासाः आपसी विवाद में साथियों ने ही पीट-पीटकर की ठेका श्रमिक की हत्या

दुर्ग। थाना उतई क्षेत्र में हुई लेबर कांट्रेक्टर की हत्या का खुलासा पुलिस ने 24 घंटे के भीतर कर दिया है। ऑपरेशन विश्वास अभियान के तहत उतई पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक राहुल कुमार की हत्या आपसी विवाद के चलते उसके ही साथ काम करने वाले साथियों ने की थी। मामले की सूचना प्रहलाद यादव ने पुलिस को दी। उन्होंने बताया कि मृतक राहुल कुमार पिता दया रजक (उम्र 24 वर्ष), निवासी गया, बिहार विजय पांडे प्लाईवुड फैक्ट्री दुमरडीह, उतई में ठेका पर काम करता था। मृतक के साथी सोनू कुमार, सिन्टू कुमार और राहुल कुमार पिछले एक साल से यहां श्रमिकों के साथ काम कर रहे थे। काम पूरा हो जाने के बाद कंपनी मालिक ने 5 नवंबर को ठेकेदार को भुगतान कर दिया था। सोनू और अन्य मजदूर काम छोड़कर चले गए, जबकि राहुल कुमार दुमरडीह में ही रुका हुआ था। उसी रात अटल पांडे, जो फैक्ट्री का साइट इंचार्ज था, अपने साथियों के साथ पहुंचा और आपसी विवाद को लेकर राहुल से गाली-गलौज करते हुए लात-घूसे और लाठी-डंडे से जमकर मारपीट की। गंभीर रूप से घायल राहुल को आरोपी बस स्टैंड उतई में छोड़कर फरार हो गए। सुबह जब लोगों ने राहुल को मृत अवस्था में देखा तो पुलिस को सूचना दी गई। शव पंचनामा के दौरान उसके शरीर पर कई जगह चोट के निशान पाए गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि मृतक और साइट इंचार्ज अटल पांडे के बीच पूर्व में कार्य संबंधी विवाद हुआ था। इसी रंजिश में अटल पांडे ने अपने साथियों के साथ मिलकर राहुल की हत्या कर दी। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त लाठी-डंडा, मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और कपड़े जप्त किए हैं। सभी आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।1. अटल पांडे उर्फ प्रदीप पांडे, पिता लालमन पांडे, उम्र 35 वर्ष, निवासी प्रतापगढ़ (उ.प्र.) 2. अंजनी सिंह उर्फ मनीष कुमार, पिता दिनेश सिंह, निवासी मिर्जापुर (उ.प्र.) 3. अमरनाथ प्रजापति, पिता परमहंस प्रजापति, निवासी गोरखपुर (उ.प्र.) 4. राहुल सिंह, पिता तेजभान सिंह, निवासी चित्रकूट (उ.प्र.) 5. अक्षय कुमार, पिता दिनेश यादव, निवासी पटना (बिहार) थाना उतई प्रभारी निरीक्षक महेश कुमार ध्रुव, सउनि सुरेश पांडे, प्रआर नेमूप्रसाद साहू, आरक्षक धुवनारायण चन्द्राकर, राजीव दुबे, महेश यादव और दिलीप सिदार की कार्रवाई में उल्लेखनीय भूमिका रही।

जिला पंचायत सभापति कल्पना नारद साहू ने किया निरीक्षण, दिसंबर तक नए भवन में शिफ्टिंग की तैयारी

स्व. दाऊ रामचंद्र साहू शासकीय महाविद्यालय बनकर तैयार, छात्रों को मिलेगी शिक्षा के साथ बेहतर सुविधा

रानीतराई। पाटन विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रानीतराई में निर्मित स्व. दाऊ रामचंद्र साहू शासकीय महाविद्यालय का निर्माण कार्य अब लगभग पूर्णता की ओर है।

कॉलेज भवन का अंतिम चरण का फिनिशिंग कार्य तेज़ी से जारी है। जिला पंचायत सभापति कल्पना नारद साहू ने औचक निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण की गुणवत्ता और सुविधा संबंधी कार्यों की जानकारी लेते हुए कहा कि – छत्तीसगढ़ शासन द्वारा स्थापित यह महाविद्यालय न केवल क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा देगा, बल्कि ग्रामीण युवाओं के लिए उज्जवल भविष्य की मजबूत नींव साबित होगा।

धमतरी के छात्र भी ले रहे प्रवेश–दक्षिण पाटन के हृदय स्थल रानीतराई में संचालित यह कॉलेज अब न केवल दुर्ग जिले के बल्कि धमतरी जिले के छात्र-छात्राओं के लिए भी उच्च शिक्षा का केंद्र बनता जा रहा है। दूरस्थ ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थी अब अपने नजदीक ही बेहतर शिक्षण सुविधा का लाभ उठा रहे हैं।

दिसंबर में नए भवन में होगी शिफ्टिंग–महाविद्यालय के प्राचार्य अरुण मिश्रा ने बताया कि निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। ठेकेदार द्वारा शीघ्र ही सभी कार्य पूरे करने का आश्वासन दिया गया है। उन्होंने कहा कि दिसंबर माह तक कॉलेज को नए भवन में शिफ्ट करने की तैयारी की जा रही है।

प्राचार्य मिश्रा ने आगे बताया कि अगले शैक्षणिक सत्र से हिंदी साहित्य विषय की पढ़ाई प्रारंभ की जाएगी, साथ ही पीजीडीसीए पाठ्यक्रम के संचालन हेतु संचालक उच्च शिक्षा को प्रस्ताव भेजा गया है।

सुरक्षा के लिए बाउंड्रीवॉल की मांग–कॉलेज परिसर की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्राचार्य ने बाउंड्रीवॉल निर्माण की मांग विभाग से की है। इसके लिए प्रस्ताव तैयार कर विभाग को भेजा गया है।

शिक्षा के क्षेत्र में नया मील का पत्थर

ग्रामीण क्षेत्र में उच्च शिक्षा की बेहतर व्यवस्था के लिए यह कॉलेज आने वाले समय में एक मील का पत्थर साबित होगा। विद्यार्थियों को अब आधुनिक प्रयोगशाला, पुस्तकालय और डिजिटल कक्षाओं जैसी सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी।

-- **कल्पना नारद साहू**
(जिला पंचायत सभापति)

धान खरीदी के लिए एग्रीस्टेक पंजीयन अनिवार्यकिसान शीघ्र कराएं अपना पंजीयन

गरियाबंद। राज्य सरकार द्वारा किसानों की सुविधा और पारदर्शी खरीदी प्रक्रिया सुनिश्चित करने हेतु इस वर्ष से एग्रीस्टेक डिजिटल प्रणाली लागू की गई है। यह प्रणाली किसानों के भूमि रिकॉर्ड, बैंक खाता, आधार और फसल से जुड़ी जानकारी को एकीकृत करती है, जिससे खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता और सही रिकॉर्ड सुनिश्चित हो सकेगा। धान खरीदी में किसी प्रकार की परेशानी से बचने के लिए इस वर्ष सभी किसानों के लिए ''एग्रीस्टेक पंजीयन अनिवार्य'' किया गया है। सहायक आयुक्त सहकारिता ने बताया कि पंजीयन के लिए आधार कार्ड, जमीन का बी-1 खसरा तथा मोबाइल नंबर आवश्यक दस्तावेज हैं। जिन किसानों का अभी तक पंजीयन नहीं हुआ है, वे शीघ्र ही अपने निकटतम सहकारी समिति या चॉइस सेंटर में जाकर पंजीयन करा ले, ताकि फसल बिक्री के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति आदिवासी लोक कला महोत्सव हेतु 10 से 11 नवम्बर तक आमंत्रित

गरियाबंद। आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के निर्देशानुसार 'शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति, आदिवासी लोक कला महोत्सव के आयोजन के लिए गरियाबंद जिले के प्रतिभागी लोक कला नर्तक दलों से जो पारंपरिक लोक कला जैसे लोकगीत, लोकगायन तथा लोकवाद्य में रुचि रखते हैं। ऐसे इच्छुक दल शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति, आदिवासी लोक कला महोत्सव वर्ष 2025-26 के लिए 10 नवम्बर से 11 नवम्बर 2025 तक शाम 5 बजे कार्यालयीन समय में अपनी प्रविष्टियाँ जमा कर सकते हैं। इस संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास गरियाबंद के कक्ष मांक 56 में संबंधित शाखा प्रभारी से संपर्क किया जा सकता है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com